दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। शुक्रवार 14 नवम्बर -2025 | ● वर्ष : 10 अंक : 326 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

भूमि माफियाओं पर महापौर सुनीता दयाल का बड़ा एक्शन

220 करोड़ की भूमि कब्जा मुक्त कराई

कई इलाकों में खुद पहुंचकर जमीन करवाई खाली

गाजियाबाद, करंट क्राइम : नगर निगम गाजियाबाद की भूमि पर अवैध कब्जे करने वालों के खिलाफ महापौर सुनीता दयाल ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है। गुरुवार को उन्होंने निगम अधिकारियों के साथ बोंझा, सिहानी और सुदामापुरी क्षेत्रों में निगम की कई बीघा भूमि का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने पाया कि नगर निगम की जमीनों पर पार्किंग, प्लॉटिंग, रेत-सीमेंट का कारोबार, सब्जी की खेती, भैंस पालन, अवैध झुग्गी निर्माण और टीन शेड डालने जैसी गतिविधियाँ की जा रही थीं। इस पर उन्होंने तत्काल कब्जा मुक्त कराने और दोषियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। बता दें कि मेयर ने बुधवार को हुई कार्यकारिणी बैठक में भी निगम अधिकारियों को लापरवाहियों में सुधार करने की चेतावनी दी।

तीनों स्थलों का हुई बड़ी कार्रवाई

करंट क्राइम : इस दौरान महापौर ने सिहानी गाव नंदग्राम क्षेत्र : लगभग 32 बीघा भूमि (मूल्य करीब 160 करोड़ रुपये), भूमि पर अवैध प्रयोग किए जाने की जानकारी मिली।महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि न्यायालय में चल रहे स्टे आदेश को शीघ्र खारिज कराने की प्रक्रिया तेज की जाए और भूमि को जल्द से जल्द कब्जा मुक्त किया जाए। वहीं बोंझा गाँव पटेल मार्ग स्थित भूमि (खसरा संख्या 282, 283, 284, 285, 308) :लगभग 3-4 बीघा भूमि, मूल्य करीब 30 करोड़ रुपये। महापौर ने घोषणा की कि यहां नगर निगम द्वारा एक आधुनिक मार्केट कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जाएगा। वहीं सुदामापुरी क्षेत्र (डबल टंकी, सिंगल टंकी, निगम आश्रय स्थल और मंदिर के पास) :लगभग 4 बीघा भूमि, मूल्य करीब 30 करोड़ रुपये। महापौर ने बताया कि यहां भी अवैध निमार्णों की जल्द तोड़फोड़ की जाएगी।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक बोले—आजादी के बाद से गांधी परिवार का ही महिमामंडन होता रहा है

आज बिहार में बन रही है एनडीए की सरकार

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गुरुवार को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गाजियाबाद पहुंचे। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से देश में केवल गांधी परिवार का ही महिमामंडन किया गया है। उस दौर में बाकी स्वतंत्रता सेनानियों और समाज के असली नायकों को पीछे रखा गया। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अब देश और प्रदेश में महापुरुषों, स्वतंत्रता सेनानियों, गरीबों, किसानों और युवाओं के सम्मान की बात की जाती है। यह नया भारत हर व्यक्ति के विकास और सम्मान के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है।

बिहार पर बोले पाठक—एनडीए की सरकार बन रही है, बिहार पूरी तरह पॉलिटिकल राज्य है

करंट क्राइम : पत्रकारों ने जब डिप्टी सीएम से बिहार चुनाव को लेकर सवाल किया, तो उन्होंने कहा कि बिहार में भारतीय जनता पार्टी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनने जा रही है।

उन्होंने कहा कि बिहार एक पूरी तरह से राजनीतिक रूप से परिपक्व राज्य है, जहां की जनता जानती है कि कौन उनके हित में काम कर रहा है। भाजपा बिहार की राजनीति को बहुत अच्छे से समझती है और वहां एनडीए की प्रचंड जीत तय है। साथ ही उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश समेत पूरे देश में भाजपा सरकारें सबका साथ, सबका विकास की भावना से काम कर रही हैं, जिससे विपक्षी दल बौखलाए हुए हैं।

सुरक्षा और राहुल गांधी पर की टिप्पणी कहा हरियाणा में जलेबी, बिहार में मछली पकड़ने का करते हैं काम

करंट क्राइम : देशभर में सुरक्षा हालात को लेकर पूछे गए सवाल पर बृजेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश पूरी तरह सुरक्षित है। पुलिस हाई अलर्ट पर है, सभी संवेदनशील इलाकों में चेकिंग अभियान चल रहा है, और दिल्ली की सीमा से सटे जिलों में विशेष पुलिस दस्ता भी तैयार है। उन्होंने कहा कि हमले और आतंकी गतिविधियों से डरने की जरूरत नहीं है। उत्तर प्रदेश की पुलिस लगातार सक्रिय है और हर स्थिति पर नजर बनाए हुए है। राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को राजनीति की समझ नहीं है। जब हरियाणा में चुनाव होता है तो वह जलेबी तलने लगते हैं, और बिहार में मछली पकड़ने चले जाते हैं। यह दिखाता है कि उन्हें देश की राजनीति की गंभीरता का एहसास नहीं है। वहीं डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने दावा किया कि बिहार में एनडीए की बंपर जीत निश्चित है, जिससे इंडिया गठबंधन में बेचैनी बढ़ गई है।

बिहार चुनाव के नतीजे आज

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों की मतगणना आज सुबह 8 बजे से शुरू होगी, इस बार दो चरणों में मतदान हुआ था, 243 सीटों वाले विधानसभा चुनाव में बहुमत के लिए 122 सीटों की जरूरत है। प्रशासन ने सभी जिलों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। बिहार में वोटों की काउंटिंग के जोरों पर तैयारिया बिहार में वोटों की काउंटिंग के जोरों पर तैयारियां। इसके लिए पूरे राज्य में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस बार चुनाव दो चरणों (6 और 11 नवंबर) में हुए और दोनों ही चरणों में रिकॉर्ड संख्या में वोट पड़े. 243 सीटों के नतीजों को लेकर राजनीतिक माहौल बेहद गर्म है और सभी दल, उम्मीदवार पूरे जोश-ओ-खरोश के साथ नतीजे का इंतजार कर रहे हैं।

पटना सहित सभी जिलों में प्रशासन ने सुरक्षा कड़ी कर दी है। स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा कई स्तरों पर बढ़ाई गई है। अधिकारियों ने हॉल, गेट, कंट्रोल रूम और बैठने की व्यवस्था का निरीक्षण किया है. चुनाव आयोग के अधिकारी ने जिलाधिकारियों के साथ मिलकर तैयारियों की समीक्षा की है।

सबसे पहले पोस्टल बैलेट की गिनती होगी, इसके बाद एश्ट की गिनती शुरू की जाएगी, 243 सीटों में बहुमत के लिए 122 सीटें जरूरी हैं, यह नतीजे तय करेंगे कि क्या नीतीश कुमार और एनडीए फिर से सत्ता में लौटेंगे या तेजस्वी यादव की अगुवाई वाला महागठबंधन सरकार बनाएगा.

सिकन्दर यादव ने बिहार चुनाव के नतीजों को लेकर बताया अपना रूझान

कहा गठबंधन की सरकार बनेगी और इसका आधार बनेगा नौजवान

गाजियाबाद, करंट क्राइम। बिहार में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने अब बाकी हैं। आज बिहार विधानसभा चुनाव का नतीजा आ रहा है। मतगणना की पूर्व संध्या पर करंट क्राइम ने समाजवादी नेता और बौद्धिक चिंतक सिकन्दर यादव से बात की। सिकन्दर यादव का एक अंदाज है कि वो हमेशा सामाजिक से लेकर सियासी मुद्दों पर ईमानदारी से अपनी बात रखते हैं। उनका विश्लेषण मुद्दों पर अच्छा रहता है और बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर जब दैनिक करंट क्राइम ने उनसे बात की तो उन्होंने सबसे पहले स्पष्ट रूप से ये स्वीकार किया कि वो बिहारनहीं गये हैं लिहाजा उनका आंकलन बिहार चुनाव प्रचार में गये अपने साथियों से साझा किये अनुभव और अब तक प्राप्त आंकड़ों के आधार पर है। सिकन्दर यादव ने उम्मीद जताई कि बिहार चुनाव में जनता ने महागठबंधन को जनादेश दिया है। उन्होंने कहा कि जो

रूझान लग रहे हैं उनके अनुसार तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनेंगे। महागठबंधन को जनादेश मिलने की वजह के सवाल पर उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव पर गठबंधन ने रोजगार की बात की है और युवाओं के लिए रोजगार एक बड़ा मुददा है। इसलिए गठबंधन को जनादेश मिलेगा। सिकन्दर यादव ने कहा कि रूझान को लेकर एक बड़ी वजह इस बार मतदान का एक बढ़ा हुआ प्रतिशत भी है। उन्होंने कहा कि इस बार 7 प्रतिशत मतदान ज्यादा हुआ है। बढ़ा हुआ मतदान हमेश परिवर्तन के संकेत देता है। उन्होंने कहा कि मेरा अपना अनुमान है कि 18 वर्ष से लेकर 29 वर्ष के युवाओं ने मतदान में हिस्सा लिया है।

युवाओं का ये वोट निर्णायक साबित होगा और बदलाव लायेगा। उन्होंनें कहा कि युवा वर्ग के इस मतदान का लाभ महागठबंधन को मिलेगा। उम्मीद करता हूं कि बिहार में स्पष्ट बहुमत की गठबंधन सरकार बनने जा रही है। अलग अलग एक्जिट पोल को उन्होंने सिरे से नकारा और कहा कि एक्जिट पोल तो लोकसभा चुनाव के बार भाजपा गठबंधन को 400 सीटें दे रहे थे। इसलिए मैं एक्जिट पोल को लेकर ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता। कितने प्रतिशत वोट मिलेगा और सरकार किसकी बनेगी वाली गांरटी की बात पर उन्होंने कहा कि मैं केवल रूझान की बात कर सकता हूं, बदलाव की उम्मीद है।

पूर्व मेयर अशु वर्मा का दिखा संबोधन में आक्रामक अंदाज

कहा डॉक्टर, लैक्चरार से लेकर घास खोदने वाला भी करता है आतंकवाद

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पूर्व मेयर अशु वर्मा अक्सर सोशल मीडिया पर हिन्दुत्व वादी सोच के साथ आते हैं। कई बार वो सनातनी संदेश देते हैं, मंदिर जाने का संदेश देते हैं। कई बार वो अपनी पोस्ट के जरिये किसी वर्ग विशेष को टारगेट करते हैं।

मगर गुरूवार को जब भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के कार्यक्रम में वो बिरसा मुंडा से होते हुए आतंकवाद पर आ गये। उनका चेहरा सख्त हो गया उनके शब्द सख्त हो गये। उन्होंने तीखे तेवरों के साथ एक समुदायको टारगेट किया। दिल्ली के आतंकी हमले पर बोलते हुए पूर्व मेयर के तेवर काफी फायर अंदाज में थे, हॉल में तालियां गूंज रही थीं।

पूर्व मेयर अशु वर्मा अपने संबोधन मेंदिल्ली हमले को लेकर बोले और वो आतंकवाद को पूरे देश के लिए खतरा बताते बताते एक वर्ग पर आ गये।

उन्होंने कहा कि इस वर्ग में कोई एमबीए हो वो भी आतंकवादी होगा, प्रोफोसर भी आतंकवादी निकलेगा, लैक्चरार भी आतंकवादी निकलेगा । उन्होंने कहा कि शिक्षा ही नहीं घास खोदने वाला भी आतंकवादी निकलेगा। कहा कि आतंकवाद का शिक्षा से कोई लेना देना नहीं है। ये सब मजहब की कटटरता से प्रेरित होते हैं। पूर्व मेयर अशु वर्मा का आक्रोश यहीं पर नहीं थमा और वो देश की बंटवारे की वैधानिकता के सवाल पर आ गये। उन्होंने कहा कि यही होना था तो फिर देश का बंटवारा माईग्रेशन के आधार पर हुआ। पूरब पश्चिम में दो पाकिस्तान क्यों बनाये गये।

लम्हों ने खता की है सदियों ने सजा पाई है। पूर्व मेयर आशु वर्मा ने इसके बाद कहा कि हम इन आतंकी हमलों से डरने वालेनहीं हैं क्योंकि देश का नेतृत्व बहुत ही मजबूत हाथों में है। उन्होंने कहा कि हमारा देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों में हैं और उत्तर प्रदेश योगीआदित्यनाथ के हाथों में हैं। आतंकी हमले के बाद पूर्व मेयर अशु वर्मा ने आक्रोशित स्वर में ये उम्मीद जताई और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम एक एक आतंकी को घर से निकाल लेंगे।

अगर तेजस्वी यादव के नेतृत्व में सरकार बनती है तो जरूर परिवर्तन दिखेगा। ये अलग बात है कि वह परिवर्तन अच्छा होगा या खराबी की ओर जाएगा, ये समय ही बताएगा : बालेश्वर त्यागी

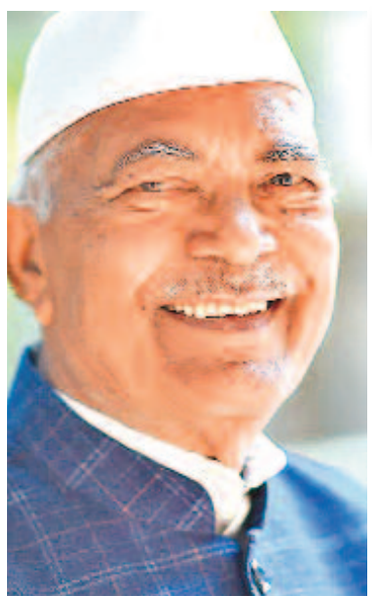

सर्वेक्षणों की अनिश्चितता : चुनाव पूर्व सर्वे विरोधाभासी रहे, इसलिए वास्तविक तस्वीर मतगणना ही तय करेगी।

मीडिया बहसों का खोखलापन : टीवी डिबेट शोर तो पैदा करती हैं, पर नतीजों पर उनका प्रभाव लगभग न के बराबर है।

रुझानों का बदलता गणित : शुरूआत में दिखने वाले ट्रेंड कई बार पूरी तरह पलट जाते हैं—इसलिए उत्साह या निराशा दोनों समय से पहले हैं।

नेतृत्व परिवर्तन की संभावनाएँ : नीतीश बनाम तेजस्वी—सरकार जिसके भी हाथ में बनेगी, बिहार की दिशा उसी नेतृत्व के स्वभाव पर निर्भर होगी।

जातीय समीकरणों की पुनरावृत्ति: भ्रष्टाचार और नीतिगत सवाल पीछे रहे; चुनाव फिर एक बार जातीय समीकरणों की पकड़ में दिखा।

गाजियाबाद करंट क्राइम। आज बिहार विधान सभा चुनावों के मतों की गिनती होगी। पिछले दो दिनों से विभिन्न संस्थाओं द्वारा किए गए सर्वे के आधार पर कौन जीतेगा? कौन कितने सीट जीतेगा? भविष्य वाणी हो रही हैं । अधिकतर सर्वे एनडीए भाजपा नीत गठबंधन को बहुमत मिलने की घोषणा कर रहे हैं। एक या दो सर्वे महागठबंधन राजद नीत गठबंधन की जीत की भविष्य वाणी कर रहे हैं। बहुत सारे टीवी चैनलों पर इन अनुमानों को लेकर बहस हो रही है। कभी कभी तो ऐसा आभास होता है कि जैसे समुद्र

मंथन से अमृत निकला था ऐसे ही इन बहस मुहायसों से ही जीत हार का निर्णय होने जा रहा है। कई एंकर तो इतने उत्तेजित हो जाते हैं और बहस के लिए चैनल द्वारा बुलाए गए लोगों को मानों धमका रहे हैं। टीवी चैनलों की बहस केवल टाइम पास से अधिक कुछ नहीं है। हां इतना जरूर है कि लोगों में चुनाव परिणामों को लेकर जिज्ञासा जगा देते हैं।

कौन जीतेगा कौन हारेगा इसका निर्णय आज मतगणना के बाद चलेगा। कई बार प्रारंभिक रुझान दिन चढ़ते चढ़ते बदलने लगते हैं। कई बार प्रारंभिक रुझान ही अंत तक बने रहते हैं। ऐसा भी हुआ है कि प्रारंभिक रुझानों से अतिउत्साहित होकर कई समर्थक पटाखे फोड़ने लगते हैं और लड्डू के ऑर्डर दे देते हैं।

चुनावों के बाद बिहार में क्या बदलेगा? ये बहुत कुछ इस पर निर्भर है कि किस की सरकार बनती है। लगभग बीस वर्षों से बिहार में नीतीश कुमार ही मुख्य मंत्री हैं। ये अलग बात है कि बिहार में इन बीस वर्षों में अगर कोई बड़ा राजनैतिक परिवर्तन हुआ है तो वह यह यह हुआ है कि नीतीश कुमार स्वयं बदले हैं। लेकिन इसके बाद भी नीतीश कुमार की छवि खराब नहीं हुई है। अगर चुनाव परिणामों के बाद नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में सरकार बनती है तो क्या कोई बड़ा परिवर्तन हो पाएगा?

अगर तेजस्वी यादव के नेतृत्व में सरकार बनती है तो जरूर परिवर्तन दिखेगा । ये अलग बात है कि वह परिवर्तन अच्छा होगा या खराबी की ओर जाएगा ये समय ही बताएगा। भगवान बुद्ध, भगवान महावीर, गुरु गोविंद सिंह जी की धरती अपना निर्णय केवल जातीय आधारों पर ही करती है या विश्व के पहले गणराज्य वैशाली गणराज्य की जन्मस्थली में कोई अच्छाई-बुराई के आधार पर निर्णय होगा इसका निर्णय चुनाव परिणामों के बाद ही चलेगा।

भ्रष्टाचार इस चुनाव में कोई मुद्दा नहीं बन पाया ऐसा चुनाव प्रचार के दौरान दिख रहा था। नौकरी के बदले जमीन के आरोपों का सामना कर रहे तेजस्वी को जिस आक्रामकता से प्रचार करते देखा और उनके समर्थकों में जो उत्साह देखा उससे स्पष्ट है कि भ्रष्टाचार कोई महत्व नहीं रखता। प्रशांत किशोर को चुनावों में जिस प्रकार अप्रासंगिक होते देखा अगर मतगणना में भी वही ट्रेंड दिखता है तो बिहार फिर एक बार जातीयता के मकड़जाल में फंसता दिखेगा। वैसे अब राजनैतिक दलों में नीति और सिद्धांतों में कोई बड़ा अंतर नहीं रहा है। येन केन प्रकारेन सत्ता प्राप्ति ही एक मात्र उद्देश्य है। जो जीता वही सिकंदर !!

लखनऊ में जनजाति भागीदारी उत्सव का शुभारंभ
सीएम योगी ने बिरसा मुंडा को किया नमन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में जनजाति भागीदारी उत्सव का शुभारंभ किया और इस मौके पर भगवान बिरसा मुंडा को याद किया।

राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित जनजाति भागीदारी उत्सव का मुख्यामंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि 1 से 15 नवंबर तक जनजाति गौरव पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। जनजाति समाज को अपनी परंपरा, गौरव पर अनुभूति हो और समाज राष्ट्र की मुख्य धारा में शामिल हो इस कोशिश में यह

उत्सव किया जा रहा है। इस उत्सव में 22 राज्यों के जनजाति समाज के कलाकारों द्वारा अपनी कला का प्रदर्शन करने के साथ ही कई कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

उत्सव में सांस्कृतिक समागम और यात्रा के माध्यम से लोग जुड़ रहे हैं। अरुणाचल प्रदेश पार्टनर राज्य होने के साथ ही अन्य राज्यों के कलाकार यूपी में आकर इसके सहभागी बन रहे हैं। उत्सव में हस्तशिल्प और कला प्रदर्शनी, व्यंजन मेला भी लग रहा है। इस उत्सव के माध्यम से हम धरती आबा भगवान

पुलिस भर्ती में जनजाति समाज के लोगों को मिला मौका

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बिरसा मुंडा भारत की स्वाधीनता के पक्षधर थे। इसके लिए उन्होंने अभियान चलाया। अंग्रेजों ने उन्हें पकड़ा और 25 साल में रांची की जेल में अंतिम सांस ली। उनका कहना था कि देश हमारा है तो राज भी हमारा होना चाहिए। ब्रिटिश हुकूमत राज न करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रेरणा दी है कि एक पूरा जनजाति गौरव पखवाड़ा मना रहे हैं। उनकी परंपरा, संस्कृति को प्रस्तुत करने का अवसर मिला है। यूपी देश की आबादी का सबसे बड़ा प्रदेश है। जनजाति समुदाय की आबादी कुल की अपेक्षा कम है। पहले सरकारी नौकरी के लिए जनजाति की सभी सीटें नहीं भरती थी। अब पुलिस भर्ती में जनजाति समाज की सभी सीटें भरी हैं।

उनकी शिक्षा और भागीदारी बढ़ी है। सरकारी योजनाओं का लाभ मिला है। हमारी सरकार ने तय किया है कि जो भी जनजाति यूपी में हैं उनको उनका अधिकार मिले। सरकार इसके लिए काम करेगी। थारू, मुसहर, चेरो, कोल और गौड़ आदि को सभी सरकारी योजनाओं से आच्छादित करने को अभियान चलाया गया है। आज ज्यादातर जातियां सभी जरूरी सुविधाओं को पा रही हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजे आएंगे आज
चुनाव नतीजों से पहले नीतीश कुमार पहुंचे मंदिर-गुरुद्वारा व मजार

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजे आज आएंगे, लेकिन उससे पहले सियासी हलचल बढ़ गई है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चुनाव परिणाम से पहले बुधवार को अलग-अलग धार्मिक स्थलों पर जाकर पूजा-अर्चना करने पहुंचे. पटना में सीएम नीतीश मंदिर, मजार और गुरुद्वारा में माथा टेककर क्या सियासी संदेश देते नजर आए हैं नीतीश कुमार 18 साल से बिहार के मुख्यमंत्री हैं और इस बार अपनी सत्ता की वापसी के लिए पूरी ताकत झोंक दी थी. बिहार चुनाव के फाइनल नतीजे शुक्रवार को आएंगे, लेकिन उससे पहले आए तमाम एग्जिट पोल के सर्वे में एनडीए की सरकार

बनती नजर आ रही है. ऐसे में जेडीयू के समर्थक गदगद हैं तो नीतीश कुमार के भी हौसले बुलंद हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विधानसभा चुनाव नतीजों से पहले अपने करीबी मंत्री विजय चौधरी और मंत्री अशोक चौधरी के साथ भगवान के शरण में पहुंचे उन्होंने हिंदू, मुस्लिम और सिख समाज के धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर माथा टेका और आशीर्वाद लिया।

पार्टी के सभी समर्थक एवं कार्यकर्ता एसआईआर अभियान में बीएलओ का करें सहयोग: मुनकाद अली

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। बसपा के कई मंडलों के प्रभारी एवं पूर्व सांसद बाबू मुनकाद अली ने आज राजनगर स्थित पार्टी कार्यालय में स्पेशल इंसेंटिव रिवीजन यानी एसआईआर को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारी की बैठक ली। बैठक में उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया के बारे में गहराई से जानकारी दी।

उन्होंने कहा एसआईआर अभियान का 4 नवंबर से शुभारंभ हो गया है। यह अभियान 7 फरवरी तक चलेगा। इस दौरान सभी कार्यकर्ताओं को सजग रहकर पार्टी के समर्थक एवं कार्यकर्ताओं के फार्म भरवाने हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया में सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को जुट जाना है। जितने अधिक संख्या में बसपा समर्थकों और कार्यकर्ताओं के वोट बनेंगे, 2027 विधानसभा चुनाव में पार्टी को उतना ही लाभ होगा।

मुनकाद अली ने कहा कि पार्टी की जिला और महानगर इकाई इस बात को सुनिश्चित करेगी कि एसआईआर अभियान के दौरान सभी कार्यकर्ता पूरे मनोयोग से इसमें भाग लें। सभी कार्यकर्ता एवं पार्टी समर्थकों के वोट बनने चाहिए। उन्होंने कहा कि दलित एवं पिछड़े वर्ग के बहुल इलाकों में बीएलओ से संपर्क स्थापित कर सभी का वोट बनाया जाना चाहिए। सभी कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र के बीएलओ से मुलाकात कर एसआईआर प्रक्रिया में सहयोग करें। सभी कार्यकर्ता व पदाधिकारी के पास

अपने-अपने क्षेत्र के बीएलओ का नंबर होना चाहिए ताकि किसी भी स्थिति में अगर किसी का वोट नहीं बन रहा है तो उनसे संपर्क कर समस्या का समाधान किया जा सके। इस मौके पर जिला अध्यक्ष मनोज जाटव समेत तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

केशव चौधरी पार्टी से निष्कासित

गाजियाबाद करंट क्राइम। बसपा के जिलाध्यक्ष मनोज जाटव ने पार्टी के कार्यकर्ता केशव चौधरी को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। उन्होंने कहा कि केशव चौधरी पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त थे। उन्हें कई बार चेतावनी दी गई थी इसके बाद भी उन्होंने अपनी पार्टी विरोधी गतिविधियां जारी रखी। कई मौकों पर उन्होंने अनुशासनहीनता की। इसकी जानकारी मेरठ मंडल इकाई को दी गई थी। मेरठ मंडल इकाई से संस्तुति मिलने के बाद केशव चौधरी को पार्टी से निष्पादित कर दिया गया है। केशव चौधरी काफी पुराने कार्यकर्ता है और पार्षद का चुनाव लड़ चुके हैं। वह पार्टी के कई पदों पर भी थे।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय के दीक्षांत में राज्यपाल की चेतावनी–शिक्षा विचार न बदले, देशभक्ति सर्वोपरि

बरेली। रुहेलखंड विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि चार अंक कम आएंगे तो चलेंगे, लेकिन देशभक्ति हमारे खून में भरी होना चाहिए। ऐसी शिक्षा का कोई अर्थ नहीं रह जाता है, जो हमारे विचार पलट दे। राज्यपाल ने दिल्ली हुई घटना पर चिंता जताई।

बरेली में रुहेलखंड विश्वविद्यालय के अटल सभागार में बृहस्पतिवार को आयोजित 23वें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मेधावियों और पीएचडी धारकों को सम्मानित किया। उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। विद्यार्थियों को देशभक्ति का संदेश भी दिया। राज्यपाल ने दिल्ली में हुई घटना पर चिंता जताई। कहा कि आज पढ़े-लिखे लोग भी आतंकवादी प्रवृत्ति में शामिल हो रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि चार अंक कम आएंगे तो चलेंगे, लेकिन देशभक्ति हमारे खून में भरी होना चाहिए। ऐसी शिक्षा का कोई अर्थ नहीं रह जाता है, जो हमारे विचार पलट दे।

आनंदीबेन पटेल ने कहा कि दिल्ली में घटना हुई है। पहली बार यह हुआ, जिसमें पढ़े-लिखे लोग आतंकवादी प्रवृत्ति में शामिल हुए। डॉक्टर, इंजीनियर शामिल हुए। क्या पढ़े होंगे वे लोग। उन लोगों ने क्या पढ़ाया होगा। लोगों को पता ही नहीं चला। सरकारों को भी पता नहीं चला। आतंकवादियों की मंशा भारत का उड़ा देने की थी। ऐसे लोगों से हमें लड़ना है। देश को बचाना है। इसलिए हमें चारों ओर दृष्टि रखनी पड़ेगी। सभी की गतिविधियों पर नजर रखनी पड़ेगी।

'निरंतर नई ऊचाइयां छू रहीं छात्राएं'

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि छात्राएं शिक्षा और अनुसंधान में निरंतर नई ऊचाइयां छू रही हैं। शिक्षा के प्रतिस्पर्धा के दौर में संतुलन की स्थिति बने रहे हैं। छात्र और छात्राओं दोनों को समान अवसर, प्रोत्साहन और संसाधन प्राप्त हों। यही समाज के संतुलित विकास की पहचान है। सबको समान अवसर और संसाधन मिलते हैं, लेकिन छात्रों से छात्राएं आगे निकल रही हैं। मुझे तो खुशी होगी, क्योंकि महिलाएं आगे बढ़ें, लेकिन छात्रों को भी पीछे नहीं रहना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि रुहेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा आरंभ की गई नई पहल लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड अपने आप में एक प्रेरक परंपरा का सूत्रपात है। इस सम्मान के प्रथम

देशभक्ति हमारे खून में भरी होनी चाहिए- राज्यपाल

राज्यपाल ने कहा कि भारत आगे बढ़ रहा है। दुनिया के कई देशों को पसंद नहीं होगा। ऐसे विचार वाले लोग आतंकवादी प्रवृत्ति में शामिल हुए हैं। जो अध्यापक पढ़ाते थे, वही उसी में शामिल हैं। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि चार अंक कम आएंगे तो चलेंगे, लेकिन देशभक्ति हमारे खून में भरी होनी चाहिए। आज लोग छोटी-छोटी चीजों के लिए लड़ रहे हैं। जेल में कई लोग बंद हैं, क्या वे शिक्षित हैं।

विद्यार्थियों को बताए सफलता के सूत्र

राज्यपाल ने कहा कि जीवन स्वयं निरंतर सीखने की यात्रा है। सीखना केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है। यह विचार, अनुभव और व्यवहार की निरंतर साधना है। अर्जित ज्ञान को समाज के कल्याण, मानवता के उत्थान और राष्ट्र के निर्माण में लगाना चाहिए। अपने सपने को जीवित रखिए। अपनी आंकाक्षाओं को ऊचाइयों तक ले जाइए। बड़ा सोचिए, सशक्त संकल्प कीजिए और कर्म को अपना धर्म बनाइए। यही सफलता के सूत्र हैं।

प्राप्तकर्ता झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार का चयन सराहनीय है।

मां के जनाजे में आए बेटे की हत्या
भाभी से शादी करने के कारण मिली मौत

बागपत। करंट क्राइम। मां के जनाजे में शामिल होने गांव आए एक युवक की पीट पीट कर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मुख्य आरोपी शौकीन सहित दो लोगों को हिरासत में लिया है, जबकि तीन फरार हैं। बताया जाता है कि मृतक युवक का अपनी ही भाभी से प्रेम प्रसंग चल रहा था। भाई को यह नागवार गुजरा।

जानकारी के अनुसार, सहारनपुर के रहने वाले नफीस ने घरवालों की मर्जी के खिलाफ जाकर चचेरी भाभी से शादी कर ली थी। बुधवार को उसकी मां के इंतकाल की खबर मिलते ही वह अपने गांव लौट आया। जनाजे में नमाज अदा करने के बाद जब वह कब्रिस्तान से घर लौट रहा था, तभी पहले से घात लगाए बैठे उसके चचेरे भाई शौकीन, रहिशु, मुस्तकीम, मोहसीन और शमीम ने उस पर हमला कर दिया।

आरोप है कि सभी ने नफीस को ईंटों और डंडों से बुरी तरह पीटा। हमलावर तब तक वार करते रहे जब तक नफीस की सांसें थम नहीं गईं। कुछ ही देर पहले मां का जनाजा दफनाया गया था, और अब उसी घर में बेटे की लाश पहुंच गई। पूरे इलाके में मातम पसर गया।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजन बागपत कोतवाली पहुंच गए और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए हंगामा किया। मृतक के भाई सलीम ने बताया कि चचेरे भाई ने पहले ही धमकी दी गई थी कि नफीस इलाके में न दिखे, लेकिन आज मां के जनाजे में आने पर उसकी हत्या कर दी गई।

पुलिस ने बताया कि हत्या के मामले में मुख्य आरोपी शौकीन सहित दो लोगों को हिरासत में ले लिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

कांग्रेस ने फिर जसविंदर सिंह पर जताया भरोसा
महानगर की कमान दोबारा सौंपी

देहरादून। राज्य के सबसे बड़े शहर में कांग्रेस ने जसविंदर सिंह को फिर महानगर की कमान सौंपी है। जसविंदर सिंह ने बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने, कार्यकताओं को सक्रिय रखने और शहर की समस्याओं पर लगातार आवाज उठाने का काम किया। अध्यक्ष के रूप में जसविंदर सिंह गोगी को महानगर की दोबारा कमान सौंपने के पीछे संगठन की रणनीति गहरी है। गोगी को दोहराकर यह संकेत दिया गया कि पार्टी फिलहाल संगठन में स्थिरता और अनुभव पर भरोसा बनाए रखना चाहती है। साथ ही इस पुनर्नियुक्ति से पार्टी ने पहाड़-मैदान से बचने की कोशिश की है क्योंकि 2027 में भी चुनाव है। पहले गुटबाजी पर नियंत्रण की एक रणनीति के रूप में भी देख रहे हैं। पिछले कार्यकाल में जसविंदर सिंह ने बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने, कार्यकताओं को सक्रिय रखने और शहर

गुटबाजी से किया किनारा

इसी साल नगर निगम चुनाव हुए थे। यहां पार्टी समर्थन से चुनाव लड़ने वालों की घोषणा गोगी द्वारा ही की गई थी। इस दौरान तमाम आरोप भी लगे थे। एक होटल की वीडियो भी वायरल हुई थी। इससे कुछ लोगों में नाराजगी भी देखने को मिली थी। उसी समय इस विरोध को दबाने के लिए कड़े निर्णय लेकर कुछ लोगों को पार्टी से निष्कासित भी किया गया। चुनाव परिणाम 2018 के सापेक्ष अच्छे नहीं रहे थे। ऐसे में राजीनीतिक लोगों का मानना है कि महानगर अध्यक्ष पद पर दोबारा वही चेहरा लाने से पार्टी के अंदर नाराजगी बढ़ सकती है लेकिन कांग्रेस ने यह दोहराव कर गुटबाजी से किनारा करते हुए स्पष्ट संदेश दिया है।

की समस्याओं पर लगातार आवाज उठाने का काम किया। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि राज्य की राजधानी होने और राज्य का सबसे बड़ा शहर होने के नाते देहरादून में कांग्रेस के लिए संगठनात्मक एकता बेहद जरूरी है।

मीडिया वालों पर भडके सनी देयोल, कहा-आपके घर में मां-बाप हैं, बच्चे हैं, शर्म नहीं आती?

मुंबई। करंट क्राइम। सदाबहार अभिनेता धर्मेंद्र की सेहत की खबर लेने के लिए उनके घर के बाहर मीडियावालों की भारी भीड लगी हुई है। इस बीच सनी देओल का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे काफी गुस्से में नजर आ रहे हैं। सनी को अपने घर के बाहर खड़े फोटोग्राफर्स से कहते सुना जा सकता है कि आपके घर में मां-बाप हैं, बच्चे हैं। शर्म नहीं आती?

बॉलीवुड के सदाबहार अभिनेता धर्मेंद्र को सांस लेने में दिक्कत के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सोमवार, 10 नवंबर को धर्मेंद्र ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती हुए थे। वहीं 11 नवंबर को धर्मेंद्र की मौत की झूठी खबर भी वायरल हो गई। इसके बाद ईशा देओल और हेमा मालिनी ने मीडिया और पैपराजी की गैर-जिम्मेदाराना हरकतों की कड़ी निंदा की थी। अब सनी देओल ने मुंबई स्थित अपने घर के बाहर फोटोग्राफर्स पर गुस्सा उतारा है। सनी ने

मीडियावालों से कहा कि आपके घर में मां-बाप हैं, बच्चे हैं। बेवकूफों की तरह वीडियो भेजे जा रहे हो। शर्म नहीं आती?

बता दें कि धर्मेंद्र को कुछ दिनों के इलाज के बाद बुधवार, 12 नवंबर की सुबह अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी। देओल के परिवार के सदस्यों के साथ-साथ शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान और गोविंदा जैसे एक्टर्स ने भी अस्पताल में उनसे मुलाकात की थी। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद परिवार ने एक बयान जारी कर पुष्टि की थी कि धर्मेंद्र घर पर ही अपनी रिकवरी जारी रखेंगे।

सनी देओल का यह वीडियो उस समय आया है जब देओल परिवार ने इस मुश्किल वक्त में बार-बार मीडिया से अपनी प्राइवसी का सम्मान करने की अपील की है. धर्मेंद्र की झूठी मौत की खबर पर रिएक्शन देते हुए ईशा देओल ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर किया था। उन्होंने लिखा था, मीडिया ओवरड्राइव में लगता है और झूठी खबरें फैला रहा है. मेरे पिता स्थिर हैं और रिकवर कर रहे हैं। हम अनुरोध करते हैं कि सभी हमारे परिवार को प्राइवसी दें। पापा के जल्दी ठीक होने की दुआओं के लिए शुक्रिया।- ईशा देओल।

येदियुरप्पा के खिलाफ POCSO केस रद्द करने हाई कोर्ट से इनकार, राजनीतिक साजिश का दावा भी किया खारिज

बंगलूरू। कर्नाटक हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ ढडउरड केस को रद्द करने से इनकार किया। अदालत ने ट्रायल कोर्ट के आदेश को सही ठहराते हुए कहा कि येदियुरप्पा की व्यक्तिगत उपस्थिति आवश्यक होने पर ही मांगी जाए। यह मामला 2024 में बंगलूरू में एक नाबालिग से यौन शोषण से जुड़ा है, जिसकी जांच सीआईडी कर रही है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता बी.एस. येदियुरप्पा के खिलाफ दर्ज ढडउरड (प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेस) केस को रद्द करने से इनकार कर दिया। अदालत ने ट्रायल कोर्ट के संज्ञान लेने और समन जारी करने के आदेश को सही ठहराया, जबकि व्यक्तिगत पेशी में राहत दी।

न्यायमूर्ति एम.आई. अरुण की एकल पीठ ने कहा कि येदियुरप्पा की व्यक्तिगत उपस्थिति ट्रायल के दौरान आवश्यक होने पर ही मांगी जाए। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर वे छूट की याचिका दायर करते हैं, तो उसे विचार योग्य माना जाए। हालांकि, येदियुरप्पा को ट्रायल कोर्ट से डिस्चार्ज की मांग करने की स्वतंत्रता दी गई है।

केस का पृष्ठभूमि

यह मामला फरवरी 2024 का है जब एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि येदियुरप्पा ने उसकी 17 वर्षीय बेटी से अपने बंगलूरू स्थित आवास पर कथित यौन शोषण किया। शिकायत के आधार पर सदाशिवनगर पुलिस ने 14 मार्च 2024 को मामला दर्ज किया, जिसे बाद में सीआईडी को ट्रांसफर कर दिया गया। एजेंसी ने मामले की पुनः जांच कर चार्जशीट दाखिल की।

येदियुरप्पा की दलीलें

वरिष्ठ अधिवक्ता सी.वी. नागेश ने अदालत में कहा कि यह मामला राजनीतिक रूप से प्रेरित है और शिकायत अविश्वसनीय है। उन्होंने बताया कि पीड़िता और उसकी मां कई बार बंगलूरू पुलिस कमिश्नर से मिलीं, लेकिन उन्होंने मार्च तक कोई आरोप नहीं लगाया। नागेश ने यह भी कहा कि मौके पर मौजूद गवाहों ने किसी अनुचित घटना से इनकार किया है।

अभियोजन पक्ष का पक्ष

स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर प्रोफेसर रविवर्मा कुमार ने अदालत में कहा कि ट्रायल कोर्ट ने सभी साक्ष्यों, जिसमें पीड़िता का बयान भी शामिल है, का गहराई से अध्ययन कर संज्ञान लिया था। उन्होंने दलील दी कि अदालत का आदेश तर्कसंगत और न्यायिक दृष्टि से उचित था, इसलिए इसे रद्द करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

अस्पतालों की फायर सेफ्टी होगी और मजबूत
सीएम भजनलाल शर्मा ने 30 नए अधिकारी पदों को दी मंजूरी

जयपुर। जयपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के बड़े अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा प्रस्तावित 30 नए अग्नि सुरक्षा अधिकारी पदों को वित्त विभाग से स्वीकृति मिल गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के बड़े अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए एक अहम कदम उठाया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा प्रस्तावित 30 नए अग्नि सुरक्षा अधिकारी पदों को वित्त विभाग से स्वीकृति मिल गई है। इस फैसले के बाद अब प्रदेश के प्रमुख अस्पतालों में स्थायी फायर सेफ्टी अधिकारी तैनात रहेंगे, जिससे मरीजों और आमजन को अधिक सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी।

राज्य के चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने इस निर्णय को सरकार की स्वास्थ्य सेवाओं के निरंतर उन्नयन के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल में हाल ही में हुई आग की घटना के बाद सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। इसी के तहत अस्पतालों में स्थायी अग्नि सुरक्षा ढाँचा स्थापित करने का निर्णय लिया गया है।

चिकित्सा शिक्षा विभाग के शासन सचिव

अम्बरीष कुमार ने बताया कि प्रदेश के राजकीय मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में हर वर्ष लगभग 4 करोड़ मरीज ओपीडी सेवाएँ प्राप्त करते हैं। इन अस्पतालों में करीब 42,000 इनडोर बेड, प्रतिदिन 12,500 मेडिकल गैस सिलेंडर का उपयोग और 60,000 से अधिक चिकित्सा कर्मियों की उपस्थिति होती है। उन्होंने कहा कि ऐसे माहौल में फायर सेफ्टी विशेषज्ञों की नियुक्ति अत्यावश्यक है, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में मरीजों और स्टाफ की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

सरकार के इस फैसले के तहत 6 पद पे लेवल-11 और 24 पद पे लेवल-8 पर स्वीकृत किए गए हैं। ये अधिकारी अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा की देखरेख, नियमित फायर ऑडिट, मासिक मॉक ड्रिल, आईसीयू और ऑक्सीजन सिस्टम की निगरानी, फायर अलार्म व स्प्रिंकलर सिस्टम के रखरखाव और आपात स्थिति में राहत कार्यों के संचालन की जिम्मेदारी निभाएंगे।

शासन सचिव ने यह भी बताया कि भर्ती प्रक्रिया 15 दिसंबर 2025 तक प्रारंभ की जाएगी। चयनित अधिकारियों को एनआईएफएसए (ठक्कन्नअ) और एडीआरएफ (अऊक्कन्न) जैसी राष्ट्रीय संस्थाओं से विशेष तकनीकी प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। इसके अलावा अस्पताल कर्मियों और मेडिकल छात्रों के लिए अग्नि सुरक्षा जागरूकता मॉड्यूल भी तैयार किया जाएगा, ताकि फायर सेफ्टी संस्कृति को संस्थागत रूप दिया जा सके।

अतिरिक्त निदेशक नरेश गोयल ने इस कदम को राज्य में आपदा प्रबंधन की दिशा में ऐतिहासिक निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि इससे अस्पतालों में एक एकीकृत फायर सेफ्टी मॉडल विकसित होगा, जो न केवल सुरक्षा सुनिश्चित करेगा बल्कि राजस्थान को ह्यसुरक्षित अस्पताल एवं सुरक्षित जीवनह्ल की दिशा में देश का अग्रणी राज्य बनाएगा।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 ● नई दिल्ली। शुक्रवार 14 नवम्बर -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

गाजियाबाद जिला स्थापना दिवसः 1976 से 2025 तक

एक जिले का सफर जो आज एनसीआर की धुरी बन चुका है

गाजियाबाद के स्थापना दिवस की बधाई

उद्योग, अपराध नियंत्रण, एयरपोर्ट, शिक्षा, स्वास्थ्य व आबादी—हर मोर्चे पर बदला शहर का चेहरा

गाज़ियाबाद करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश के पश्चिमी छोर पर बसा गाज़ियाबाद ज़िला, जिसका गठन 14 नवंबर 1976 को मेरठ से अलग कर किया गया था, आज राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) का वह महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है जिसकी गति, विस्तार और सामाजिक संरचना पूरे उत्तर भारत में अनोखी है। दिल्ली से सटे होने ने इसे तेजी से बढ़ते शहरी क्षेत्र का रूप दिया, जबकि औद्योगिक बेल्ट, मेट्रो-रैपिड रेल कनेक्टिविटी, हिंदन एयरपोर्ट, शिक्षा संस्थानों और स्वास्थ्य ढांचे की मजबूती ने इसे आधुनिक महानगरों की कतार में खड़ा कर दिया है।

स्थापना से लेकर आज तक गाज़ियाबाद ने राजनीतिक प्रभाव, तेज शहरीकरण, अपराध नियंत्रण में बदलाव, उद्योग-रोजगार का विस्तार, बड़ी आवासीय टाउनशिप, अलग-अलग राज्यों की बसावट वाली मिश्रित आबादी, और ग्रेटर गाज़ियाबाद के तेजी से उभरने जैसे आयामों के सहारे अपनी पहचान को कई बार नया आकार दिया है।

आज यह ज़िला सिर्फ आबादी के लिहाज से नहीं, बल्कि रणनीतिक, प्रशासनिक, आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से भी एनसीआर की सबसे मजबूत कड़ी माना जाता है।

राजनीतिः पश्चिमी यूपी की धुरी

करंट क्राइम। 1976 में जिला बनते ही गाज़ियाबाद ने राजनीति में प्रभाव दिखाना शुरू किया। यहाँ से केंद्रीय मंत्री, राज्य सरकारों के कैबिनेट मंत्री, प्रभावशाली सांसद, कई बार निर्णायक विधायक निकलते रहे हैं। जातीय समीकरण और तेज शहरी आबादी का मिश्रण इसे यूपी के सबसे दिलचस्प राजनीतिक जिलों में रखता है।

उद्योगः एनसीआर का औद्योगिक पॉवरहाउस

करंट क्राइम। साहिबाबाद इंडस्ट्रियल एरिया, मोदीनगर-मुरादनगर उद्योग, त्रोनिका सिटी, मेरठ रोड बेल्ट—ये क्षेत्र मिलकर गाज़ियाबाद को उत्तर प्रदेश का मुख्य औद्योगिक जिला बनाते हैं। भारी मशीनरी, पैकेजिंग, स्टील, ऑटो पार्ट्स, रियल एस्टेट और फर्नीचर उद्योग इसकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं।

1976 में एक नए जिले के रूप में शुरू हुआ गाज़ियाबाद आज एनसीआर की जीवनरेखा है। यहां राजनीति, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, कनेक्टिविटी, प्रशासन और मिश्रित सामाजिक संरचना—इन सबने मिलकर इसे उत्तर भारत के सबसे विकसित जिलों में शामिल किया है। गाज़ियाबाद सिर्फ एक जिला नहीं, बल्कि एक तेजी से बढ़ता महानगर और भविष्य की दिशा तय करने वाला शहरी मॉडल बन चुका है।

कनेक्टिविटीः एयरपोर्ट, मेट्रो और रैपिड रेल ने बदला शहर

हिंदन एयरपोर्ट : दिल्ली एनसीआर का दूसरा बड़ा एयरपोर्ट — गाज़ियाबाद का हिंदन एयरपोर्ट — जिले को रणनीतिक महत्व देता है।

रैपिड-एक्स (रैपिड रेल) : भारत की पहली रैपिड रेल का केंद्र यही जिला है, जिसने दैनिक आवागमन का पूरा ढांचा बदल दिया।

दिल्ली मेट्रो : शहर के बड़े हिस्से को सीधे दिल्ली और नोएडा से जोड़ती है। साहिबाबाद, कौशांबी, शालीमार गार्डन, मोहन नगर, इंदिरापुरम बेल्ट—सभी मेट्रो की पहुंच में हैं।

एलिवेटेड रोड : 10.3 किमी लंबी एलिवेटेड रोड गाज़ियाबाद की शहरी पहचान का प्रतीक बन चुकी है।

अपराध और कानून व्यवस्थाः चुनौती से नियंत्रण तक

कभी अपराध की घटनाओं और बाहुबली प्रभाव के कारण यह जिला चर्चा में रहता था। लेकिन वर्तमान में 25 पुलिस थाने, पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम, हाईटेक सर्विलांस, ट्रैफिक व इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम ने कानून व्यवस्था को काफी मजबूत किया है। अब गाज़ियाबाद उन जिलों में गिना जाता है जहाँ अपराध चुनौती जरूर है, पर नियंत्रण तेज और प्रभावी है।

शिक्षाः एनसीआर का उभरता हब

गाज़ियाबाद में देशभर के छात्र पढ़ने आते हैं। यहां के प्रमुख संस्थानों में आईएमटी, एकेजीईसी, काईट, एबीईएस, आईएमएस कॉलेज हैं। इंदिरापुरम, राजनगर, कौशांबी शहरी बेल्ट में देश के अग्रणी स्कूल भी मौजूद हैं।

स्वास्थ्य सेवाएँ

सरकारी और निजी दोनों स्तरों पर स्वास्थ्य ढांचा मजबूत है। गाजियाबाद में एमएमजी जिला अस्पताल, संयुक्त जिला अस्पताल, संजयनगर अस्पताल, यशोदा, मनिपाल, फोर्टिस, मैक्स जैसी मल्टी-सुपर स्पेशियलिटी सुविधाएँ मौजूद हैं।

मॉल और शहरी जीवन

गाज़ियाबाद में कई बड़े मॉल शहर की आर्थिक क्षमता और उपभोक्ता जीवनशैली को दर्शाते हैं। यहां पेसिफिक मॉल, महागुन मेट्रो मॉल, वर्ल्ड स्कवॉयर मॉल, शिप्रा मॉल, गौर सेंट्रल मॉल है। ये क्षेत्र गाज़ियाबाद को एनसीआर का एक्टिव रिटेल-सेंटर बनाते हैं।

केंद्रीय-राष्ट्रीय कार्यालय

गाज़ियाबाद में कई बड़े राष्ट्रीय संस्थान कार्यरत हैं जिनमें सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर, सीआईएसएफ यूनिट, आयकर विभाग, जीएसटी विभाग, बीएसएनएल और रेलवे के प्रमुख केंद्र, एनसीआरटीसी संचालन इकाइयाँ मौजूद हैं जो इसे प्रशासनिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बनाते हैं।

मिश्रित आबादीः गाज़ियाबाद की असली पहचान

2011 की जनगणना के अनुसार गाजियाबाद की आबादी 33.43 लाख है। यहां की अनुमानित वर्तमान आबादी: 45 से 48 लाख है और यहां का जनसंख्या घनत्व: 4000 प्रति वर्ग किमी (देश के सबसे घने जिलों में) है। यह शहर मिश्रित सामाजिक संरचना की अनूठी मिसाल है। पश्चिमी यूपी का ग्रामीण चरित्र, एनसीआर का शहरी तेजी, व्यापारी वर्ग, प्रवासी आबादी और पूरे उत्तर भारत की भाषाई-सांस्कृतिक विविधता यहाँ एक साथ मिलती है।

तो क्या प्रवीण चौधरी के गेम की पूरी भूमिका विधायक संजीव शर्मा ने थी बनाई

उपाध्यक्ष बनने के बाद जब सुबह-सुबह प्रवीण चौधरी का फेस दिखा उनके घर पर दिखाई

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नगर निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष वाले चुनाव का गेम बहुत ही नाटकीय और रोचक अंदाज में फिनिश हुआ। निगम कार्यकारिणी का ये चुनाव था और गिनती के 12 वोटों में पूरा गेम फंसा था। कौन फेस होगा इसको लेकर सभी अलग अलग आंकलन लगा रहे थे। बड़ी बात ये थी कि यहां संगठन के पास कोई मौका ही नहीं बचा था। कोर कमेटी की बैठक हुई नहीं और कोर कमेटी के सदस्यों में सांसद से लेकर कैबिनेट मंत्री ने साफ कह दिया कि हमारा अपना कोई पर्सनल नाम नहीं है और यदि हमसे कोई सुझाव मांगा जायेगा तो हम जरूर देंगे।

यहां पर पेंच ये फंस गया कि क्या मेयर की तरफ से किसी पार्षद को मौका मिलेगा या वरीयता मिलेगी। मेयर निगम कार्यकारिणी से लेकर नगर निगम सदन की मुखिया होती है। और यहां उनका रोल अहम था लेकिन भाजपा वालों के बोल बता रहे हैं कि शहर विधायक संजीव शर्मा ने ऐसा गोल कर दिया कि पूरा गेम ही घूम गया। उन्होंने एक तरीके से ये साबित किया कि उन्हें भगवा कमान्डर ऐसे ही नहीं कहा जाता है। काई समझ भी नहीं पाया और उन्होंने इस गेम को ऐसा कैच किया कि पूरा मैच जीत लिया।

बहरहाल जब चुनाव हो गया और बधाई का सिलसिला समाप्त हो गया तो अगले दिन की भोर ये बताती है कि जोर कहां से लगा है और गुरूवार की सुबह इसका मुलाईजा भी हो गया। इस मुलाईजे में ये दिख गया कि कौन गेम में सहयोगी रहा और कौन गेम में उपयोगी रहा है। चर्चा यही रही कि इस गेम को स्मार्ट गेम बनाने में शहर विधायक संजीव शर्मा का रोल रहा। बड़ी बात ये है कि इस गेम को जीतकर उन्होंने किसी को बड़े ही स्मार्ट तरीके से जवाब दिया है।

जीत का हीरो कौन रहा है ये गुरूवार की सुबह पहले फोटो ने बता दिया जब निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी सुबह सुबह विधायक संजीव शर्मा के घर पर थे। प्रवीण चौधरी सियासत के भी खिलाड़ी हैं और वो व्यवहार कुशल भी हैं। बड़े दिल से राजनीति करते हैं और केवल अधिवक्ता नहीं है वो शानदार वक्ता भी हैं। ऐसे में प्रवीण चौधरी अर्ली मॉर्निंग भगवा कमान्डर के घर पर थे और सपोर्ट के लिए थैंक्स हो रहा था। एक विधायक तो ये कहते भी नजर आये कि प्रवीण चौधरी के उपाध्यक्ष वाले गेम में संजीव शर्मा ने यहां पूरा गेम सेट किया। उन्होंने भनक भी नही लगने दी और बड़े आराम से यहां उस चेहरे को सेट कर दिया जो आने वाले समय में कार्यकारिणी में प्रमुखता से सवाल उठा सके।

विधायक संजीव शर्मा के घर पर गुरूवार की सुबह जब निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी बधाई देने पहुंचे तो सबकुछ स्पष्ट था कि गेम कैसे और किस तहर से जीता गया है।

कुछ इस तरह से बना पवन गोयल के यहां डिप्टी सीएम के आने का प्रोग्राम

अचानक मिली सूचना और वो खुद रह गये हैरान

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पवन गोयल भाजपा के एक ऐसे नेता हैं जिनके पास संबंधों का मजबूत नेटवर्क है। ये नेटवर्क संघ से लेकर सरकार तक काम करता है। पवन गोयल वरिष्ठता में अपनी आयु से बड़े भाजपाई हैं और उनके समर्पण, उनकी निष्ठा को कोई इग्नोर नहीं कर सकता। यहां पर सबसे बड़ी बात ये है कि उन्होंने संबंधों की एक पूंजी कमाई है। ये उस समय देखने को मिला जब गुरूवार को डिप्टी सीएम ब्रिजेश पाठक अचानक उनके निवास पर पहुंचे। डिप्टी सीएम का ये कार्यक्रम पहले से तय नहीं था और खुद पवन गोयल से लेकर प्रोटोकॉल के अधिकारी हैरान थे। मगर ये आपसी स्नेह और प्रेम था कि पवन गोयल मेजबान थे और डिप्टी सीएम ब्रिजेश पाठक मेहमान थे।

डिप्टी सीएम ब्रिजेश पाठक पवन गोयल के लोहिया नगर स्थित बी-100 आवास पर पहुंचे। हालांकि लोहिया नगर का बी-100 एक ऐसा पता है जिसके बारे में भाजपा के कई बड़े नेताओं को पता है। डिप्टी सीएम ब्रिजेश पाठक जब यहां पहुंचे तो उनके स्वागत के लिए मुरादनगर विधायक अजितपाल त्यागी, मेयर सुनीता दयाल, पूर्व मेयर आशा शर्मा, समरकूल ग्रुप के चेयरमैन तथा भाजपा के महानगर कोषाध्यक्ष संजीव गुप्ता, लोहा व्यापार मंडल के अध्यक्ष तथा शिक्षाविद् अतुल जैन, भाजपा के महामंत्री गोपाल अग्रवाल, महामंत्री सुशील गौतम, सुबोध गुप्ता, भाजपा नेता अशोक मोंगा, मंत्री प्रतिनिधि सौरभ जायसवाल मौजूद थे। सभी ने उनका स्वागत किया और फिर पवन गोयल के आवास पर डिप्टी सीएम ब्रिजेश पाठक लगभग आधा घंटा रूके।

बताया जाता है कि ये कार्यक्रम अचानक से बना था। दरअसल डिप्टी सीएम ब्रिजेश पाठक और जीडीए बोर्ड सदस्य पवन गोयल के आपस में पुराने संबंध हैं। यही वजह थी कि डिप्टी सीएम ने भी प्रोटोकॉल से अलग जाकर अपने संबंधों को निभाया। स्वयं पवन गोयल ने करंट क्राइम से बातचीत में ये बताया कि पहले से कार्यक्रम तय नहीं था। अचानक मुझे डिप्टी सीएम के आने की सूचना प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि वह हमारे परिवार के सदस्य की तरह हैं। मेरा कुशल क्षेम जानने के लिए वो आये थे।

बार एसोसिएशन चुनाव आज सुबह 8 बजे से होगा मतदान

बार रूम में मोबाइल ले जाना रहेगा वर्जित, सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम

- 3040 अधिवक्ता करेंगे मतदान

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। बार एसोसिएशन गाज़ियाबाद की वर्ष 2025-26 की कार्यकारिणी के चुनाव के लिए मतदान शुक्रवार को कचहरी स्थित बार रूम में सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक होगा। अध्यक्ष पद के लिए कुल 6 उम्मीदवार मैदान में हैं। जिसमें राकेश त्यागी (निवाड़ी), मुनीश कुमार त्यागी, नरेश चौधरी, ब्रह्मदेव त्यागी, अतुल्य शर्मा और चंद्रकांत शर्मा का नाम है। वहीं सचिव पद के लिए हरेंद्र कुमार गौतम, वरुण त्यागी, स्नेह कुमार त्यागी और शशिकांत भाटी के बीच मुकाबला रहेगा। कुल 3040 अधिवक्ता मतदान में भाग लेंगे। परिणाम शुक्रवार देर रात तक जारी होगा। मतदान के दौरान बार रूम में मोबाइल फोन ले जाना पूरी तरह वर्जित रहेगा। एल्डर कमेटी के सदस्य देशराज सिंह नागर और शबनम खान ने बताया कि शांतिपूर्ण माहौल में मतदान संपन्न कराने के लिए सभी प्रत्याशियों और समर्थकों से सहयोग की अपील की गई है।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसीपी कविनगर सूर्यबली मौर्य ने बताया कि मतदान स्थल पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहेगा। दो शिफ्टों में ड्यूटी लगाई गई है, जिसमें पहली शिफ्ट सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक और दूसरी शिफ्ट शाम छह बजे से चुनाव परिणाम घोषित होने तक रहेगी।

इनके बीच रहेगा चुनावी मुकाबला

करंट क्राइम : एल्डर कमेटी में शामिल डॉ. शबनम खान ने जानकारी दी है कि अध्यक्ष पद के लिए राकेश त्यागी निवाड़ी, मुनीष कुमार त्यागी, नरेश चौधरी, ब्रह्मदेव त्यागी, अतुल्य शर्मा और चंद्रकांत शर्मा ने नामांकन किया है। तो वहीं सचिव पद पर शशिकांत भाटी, हरेंद्र कुमार गौतम, वरुण त्यागी, स्नेह कुमार त्यागी के नाम हैं। वरिष्ठ उपाध्यक्ष में अशोक चौधरी आदेश कुमार गर्ग, श्रीमती पंकज श्रीवास्तव व ओम प्रकाश सिंह सामने आए हैं। इसके साथ ही कनिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए विनय पंवार, मोनू सेठी, अतुल त्यागी, रूचिन मेहरा का नाम है। कोषाध्यक्ष के लिए पूनम गुप्ता, सचिन कुमार सेन, नरेश कुमार शर्मा, संजय कश्यप और खुशनुमा प्रवीण का नाम आया है। तो सह सचिव प्रशासन में गुलफाम सिद्दीकी, रिचा सिंह, जितेंद्र कुमार, सुनील कुमार ने नामांकन किया है। सह सचिव पुस्तकालय के लिए पंडित राजेंद्र कुमार गौतम, अमित पाल और मयंक श्रीवास्तव ने दावेदारी पेश की है।

संपादकीय

बढता जलवायु संकट

एक तरफ जलवायु परिवर्तन से उपजा संकट लगातार बढ़ रहा है, तो दूसरी ओर इससे निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर प्रयासों की गति धीमी पड़ रही है। दुनिया भर में हो रहे नए-नए अध्ययन और वैज्ञानिक शोध चेतावनी देते रहे हैं कि अगर समय रहते इस दिशा में प्रभावी उपाय नहीं किए गए, तो निकट भविष्य में इसके परिणाम भयावह हो सकते हैं। पिछले कुछ वर्षों से जलवायु परिवर्तन का भारत समेत पूरी दुनिया में प्रभाव साफ दिखने लगा है। ब्राजील के बेलेम में आयोजित काप 30 सम्मेलन में बुधवार को जारी जलवायु जोखिम सूचकांक-2026की रपट में कहा गया है कि जलवायु आपदाओं से सबसे अधिक प्रभावित देशों में भारत नौवें स्थान पर है। पिछले तीन दशकों में देश में जलवायु आपदाओं के कारण करीब अस्सी हजार लोगों की जान जा चुकी है। सरकार की ओर से इस संकट से निपटने को लेकर किए जा रहे दावों के बीच ये आंकड़े वास्तव में चिंताजनक है। इससे एक बात तो स्पष्ट है कि सरकारी प्रयासों को अभी और व्यापक करने तथा उन्हें गति देने की जरूरत है।

रपट के मुताबिक, जलवायु आपदाओं से वर्ष 1995 से 2024 तक लगभग 170 अरब अमेरिकी डालर का आर्थिक नुकसान हुआ है। जान-माल का सबसे ज्यादा नुकसान बाढ़, चक्रवात, सूखा और तेज गर्मी के कारण हुआ है। इसके पीछे बढ़ता वैश्विक ताप भी एक बड़ा कारक है, जो जलवायु परिवर्तन का ही नतीजा है। भारत में यह स्थिति निरंतर खतरे का संकेत दे रही है, क्योंकि बार-बार होने वाली मौसमी आपदाओं से जहां विकास की गति कमजोर होती है, वहीं आम लोगों की आजीविका भी प्रभावित होती है। रपट में कहा गया है कि पिछले वर्ष भारत में भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ से अस्सी लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए। हालांकि, जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने, कार्बन उत्सर्जन कम करने और वन आवरण बढ़ाने जैसे कई कदम उठाए हैं, लेकिन इन्हें जमीनी स्तर पर प्रभावी तरीके से अमल में लाने की जरूरत है। अगर वैश्विक स्तर पर बात करें, तो पिछले तीन दशकों में नौ हजार से अधिक मौसमी आपदाओं ने आठ लाख से ज्यादा लोगों की जिंदगी लील ली है। यह बात छिपी नहीं है कि जलवायु परिवर्तन का सबसे ज्यादा असर उन्हीं विकासशील देशों को झेलना पड़ रहा है, जिनकी वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में भागीदारी सबसे कम है। विकासशील देश कमजोर सहन क्षमता और अनुकूलन के सीमित संसाधनों के कारण ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। भारत सहित कई विकासशील देशों में जलवायु आपदाएं सामान्य स्थिति बनती जा रही हैं, जिसके लिए तत्काल और व्यापक वित्त पोषित अनुकूलन उपायों की जरूरत है। यह जगजाहिर है कि कार्बन उत्सर्जन के मामले में विकसित देशों का योगदान सबसे ज्यादा है, इसलिए अनुकूलन उपायों को लेकर उनकी जिम्मेदारी भी अधिक होनी चाहिए। उनकी भूमिका सिर्फ वित्तीय सहायता और तकनीकी सहयोग तक सीमित नहीं है।

रोचक तथ्यों का करंट

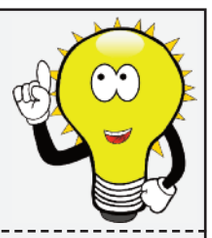

- लाइट की गति से भी हमे अपने पास वाली गैलेक्सी एंड्रोमेडा में जाने के लिए 2 मिलियन वर्ष लगेंगे।
- 2000 किलोमीटर दूर ग्रेड बैरियर रीफ धरती की सबसे बड़ी जीवित संरचना है।
- दुनिया में समुद्र में सबसे ज्यादा गहराई मरिआना ट्रेंच में है जो पेसिफिक समुद्र में है। इसकी गहराई 35,797 फीट है।
- धरती से किसी उल्कापिंड के टकराने का खतरा 9300 में से एक बार होता है।
- न्यूक्लीयर रिएक्टरों को ठंडा किया जाए तो सुक्ष्म जिव भी संघर्ष कर सकते है।
- पुरुष में 1000 स्पर्म एक सेकंड में बनते है।
- एक तूफान में 8000 मेगाटन बम के निर्माण जितनी उर्जा होती है।
- सूर्य द्वारा छोड़े गए 800 अरब से ज्यादा न्यूट्रॉन आपके शरीर में से गुजर गये होंगे जब तक आपने यह वाक्य पढ़ा होगा।
- सहारा रेगिस्तान दुनिया का सबसे बड़ा रेगिस्तान है जो 3500,000 २०.माइल्स में फैला है।
- कुत्ते के सूंघने की क्षमता इंसान से 1000 गुना ज्यादा होती है।

मुनाफावसूली के बीच स्थिर बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स-निफ्टी में हल्की बढ़त

नई दिल्ली। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 12.16 अंक उछलकर 84,478.67 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 3.35 अंक की बढ़त के साथ 25,879.15 पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजारों में तीन दिन से जारी तेजी गुरुवार को थम गई। वैश्विक बाजारों में सुस्त रुख और विदेशी पूंजी की निकासी के बीच निवेशकों ने मुनाफावसूली की, जिससे बेंचमार्क सूचकांक लगभग स्थिर बंद हुए।

बीएसई सेंसेक्स 12.16 अंक (0.01%) की हल्की बढ़त के साथ 84,478.67 पर बंद हुआ। दिनभर के कारोबार में यह 84,919.43 के उच्च और 84,253.05 के निम्न स्तर तक गया। एनएसई निफ्टी भी 3.35 अंक (0.01%) बढ़कर 25,879.15 पर बंद हुआ।

बाजार की चाल पर विश्लेषकों की क्या राय

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि शुरूआती तेजी मुनाफावसूली से खत्म हो गई। उन्होंने बताया कि अमेरिकी सरकार के शटडाउन को रोकने के लिए ट्रंप द्वारा अल्पकालिक वित्त पोषण विधेयक पर हस्ताक्षर और भारत के लिए टैरिफ राहत की उम्मीद ने बाजार को सहारा दिया। साथ ही, अक्टूबर में मुद्रास्फीति के रिकॉर्ड निम्न स्तर से आरबीआई द्वारा ब्याज दर में कटौती की उम्मीदें बढ़ी हैं, जिससे रियल्टी और धातु जैसे दर-संवेदनशील क्षेत्रों में निवेशकों की रुचि बनी रही।

हालांकि, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली और कमजोर रुपये ने बाजार को दबाव में रखा। एफआईआई ने बुधवार को 1,750 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 5,127 करोड़ रुपये की खरीदारी की। एशियाई बाजारों में शंघाई, हांगकांग, जापान और दक्षिण कोरिया के सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि यूरोपीय बाजारों में गिरावट रही।

भारत के वस्त्र निर्यात में पहली छमाही में 10% की मजबूत वृद्धि दर्ज

नई दिल्ली। सरकार ने बताया कि वित्त वर्ष की पहली छमाही अप्रैल-सितंबर के दौरान 111 देशों को किए गए वस्त्र निर्यात में 10 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गई। कपड़ा मंत्रालय ने कहा कि इन 111 बाजारों ने अप्रैल-सितंबर 2025 के दौरान 8,489.08 मिलियन डॉलर का योगदान दिया, जबकि पिछले वर्ष यह 7,718.55 मिलियन डॉलर था। भारत के वस्त्र निर्यात ने वैश्विक दबाव और प्रमुख बाजारों में टैरिफ संबंधी चुनौतियों के बावजूद मजबूत प्रदर्शन किया है। सरकार ने बताया कि वित्त वर्ष की पहली छमाही अप्रैल-सितंबर के दौरान 111 देशों को किए गए वस्त्र निर्यात में 10 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गई।

इन बाजारों ने 8,489 मिलयन डॉलर का योगदान दिया कपड़ा मंत्रालय ने कहा कि इन 111 बाजारों ने अप्रैल-सितंबर 2025 के दौरान 8,489.08 मिलियन डॉलर का योगदान दिया, जबकि पिछले वर्ष यह 7,718.55 मिलियन डॉलर था। यह 10 प्रतिशत की वृद्धि और 770.3 मिलियन डॉलर की पूर्ण वृद्धि को दर्शाता है। कुल मिलाकर, भारत के वस्त्र, परिधान और मेड-अप के वैश्विक निर्यात में अप्रैल-सितंबर 2025 के दौरान 2024 की इसी अवधि की तुलना में 0.1 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई।

भारत के बड़े निर्यात बाजार

भारत के लिए कुछ बड़े निर्यात बाजार, जिनमें प्रभावशाली वृद्धि दर दर्ज की गई, वे हैं संयुक्त अरब अमीरात (14.5 प्रतिशत), ब्रिटेन (1.5 प्रतिशत), जापान (19 प्रतिशत), जर्मनी (2.9 प्रतिशत), स्पेन (9 प्रतिशत) और फ्रांस (9.2 प्रतिशत)। दूसरी ओर, उच्च वृद्धि दर दर्ज करने वाले कुछ अन्य बाजार मिस्र (27 प्रतिशत), सऊदी अरब (12.5 प्रतिशत), हांगकांग (69 प्रतिशत) आदि थे। इस वृद्धि को संचालित करने वाले प्रमुख क्षेत्रों में सभी वस्त्रों में रेडीमेड गारमेंट्स (आरएमजी) शामिल है, जिसमें 3.42 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, व जूट में 5.56 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

गैर-पारंपरिक बाजारों में भारत का हो रहा तेजी से विस्तार

कपड़ा मंत्रालय ने कहा कि यह प्रदर्शन वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच क्षेत्र की अनुकूलनशीलता और प्रतिस्पर्धात्मकता को उजागर करता है। गैर-पारंपरिक बाजारों में भारत का निरंतर विस्तार मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत निर्यात विविधीकरण, मूल्य संवर्धन और वैश्विक बाजार एकीकरण पर सरकार के नीतिगत फोकस को मजबूत करता है।

मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड का मुनाफा 28.3 फीसदी बढ़ा, सेनको गोल्ड के राजस्व में हुई 16% की वृद्धि

नई दिल्ली। मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड का शुद्ध लाभ दूसरी तिमाही में 59.56% बढ़कर 429.81 करोड़ हो गया और राजस्व 28.38% बढ़ कर2,712.13 करोड़ पर पहुंचा। वहीं सेनको गोल्ड लिमिटेड ने सितंबर तिमाही के लिए समेकित शुद्ध लाभ में चार गुना वृद्धि के साथ 48.8 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की।

मुथूट पप्पाचन ग्रुप की प्रमुख एनबीएफसी मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में मजबूत नतीजे दर्ज किए हैं। कंपनी के अनुसार, इसकी कंसोलिडेटेड एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) बढ़कर55,707.53 करोड़ पर पहुंच गई, जबकि कर-पश्चात लाभ (पीएटी) 630.36 करोड़ रहा।

दूसरी तिमाही में कंपनी ने किया बेहतर प्रदर्शन

दूसरी तिमाही में कंपनी का प्रदर्शन बेहतर रहा। इस दौरान पीएटी 59.56% बढ़कर 429.81 करोड़ हो गया। वहीं राजस्व 28.38% बढ़कर 2,712.13 करोड़ पर पहुंचा। कंपनी ने कहा कि यह वृद्धि अनुशासित संचालन और ग्राहकों के प्रति बढ़ते भरोसे का परिणाम है।

सेनको गोल्ड के शुद्ध लाभ में हुई चार गुना वृद्धि

सेनको गोल्ड लिमिटेड ने सितंबर तिमाही के लिए समेकित शुद्ध लाभ में चार गुना वृद्धि के साथ 48.8 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की। यह सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव के बावजूद बेहतर मार्जिन और हीरे के आभूषणों की अधिक मांग के कारण हुई। पिछले वर्ष की इसी अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 12.1 करोड़ रुपये था। तिमाही के लिए समेकित राजस्व वर्ष-दर-वर्ष 2 प्रतिशत बढ़कर 1,536.1 करोड़ रुपये हो गया, जबकि समायोजित ईबीआईटीडीए 30 प्रतिशत बढ़कर 106.5 करोड़ रुपये हो गया। 30 सितंबर को समाप्त छमाही में समेकित राजस्व 16 प्रतिशत बढ़कर 3,362.3 करोड़ रुपये हो गया, जो एक वर्ष पूर्व 2,904.4 करोड़ रुपये था।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे की 61.20 करोड़ की संपत्ति कुर्क

छत्तीसगढ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाले की चल रही जांच के तहत बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की 61.20 करोड़ की संपत्ति अस्थायी रूप से कुर्क कर ली है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाले की चल रही जांच के तहत बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की 61.20 करोड़ की संपत्ति अस्थायी रूप से कुर्क कर ली है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत की गई है।

धन शोधन के मामलों की जांच के तहत कार्रवाई

ईडी के अनुसार, कुर्क की गई संपत्तियों में 59.96 करोड़ मूल्य की 364 आवासीय भूखंडों और कृषि भूमि के रूप में अचल संपत्तियां शामिल हैं। इसके अलावा, 1.24 करोड़ की चल संपत्तियां बैंक बैलेंस और सावधि जमा के रूप में पाई गई हैं। यह कदम छत्तीसगढ़ में कथित शराब घोटाले से जुड़े धन शोधन के मामलों की जांच के दौरान उठाया गया है। ईडी की कार्रवाई से राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

ईडी ने बताया- चैतन्य बघेल शराब सिंडिकेट के शीर्ष पर थे

ईडी के अनुसार पीएमएलए के तहत की गई जांच से पता चला है कि भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल शराब सिंडिकेट के शीर्ष पर तैनात थे। मुख्यमंत्री के पुत्र होने के नाते, उन्हें शराब सिंडिकेट का नियंत्रक और अंतिम अधिकारी बनाया गया था। वह सिंडिकेट की ओर से एकत्रित सभी अवैध धन का हिसाब रखते थे। ये धन (अपराध की आय या पीओसी) के संग्रह, चैनलाइजेशन और वितरण से संबंधित सभी बड़े फैसले उनके निदेशों के तहत लिए जाते थे।

चैतन्य बघेल को हुई अपराध की आय

ईडी की जांच में यह पता चला कि चैतन्य बघेल के पास अपराध से हुई आय गई। इसे उन्होंने अपने रियल एस्टेट व्यवसाय के माध्यम से बढ़ाया और बेदाग संपत्ति के रूप में पेश किया। चैतन्य बघेल ने शराब घोटाले से प्राप्त पीओसी का उपयोग अपनी स्वामित्व वाली कंपनी मेसर्स बघेल डेवलपर्स के तहत अपनी रियल एस्टेट परियोजना विट्टल ग्रीन के विकास के लिए किया। चैतन्य बघेल को ईडी ने 18 जुलाई 2025 को गिरफ्तार किया और वे वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं।

इस मामले में पूर्व आबकारी मंत्री की हो चुकी है गिरफ्तारी

इससे पहले, इस मामले में अनिल टुटेजा (पूर्व आईएएस), अरविंद सिंह, त्रिलोक सिंह ढिल्लों, अनवर ढेबर, अरुण पति त्रिपाठी (आईटीएस) और कवासी लखमा (विधायक और छत्तीसगढ़ के तत्कालीन आबकारी मंत्री) को ईडी ने गिरफ्तार किया था। ईडी ने बताया कि 61.20 करोड़ रुपये की वर्तमान कुर्की, लगभग 215 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्तियों की पूर्व में की गई कुर्की का ही एक हिस्सा है। आगे की जांच जारी है।

राशिफल

मेष: आराम व मनोरंजन के साधनों पर व्यय होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्ति के योग हैं। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

वृष: जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार पर व्यय हो सकता है। किसी मामले की चिंता रह सकती है।

मिथुन: शारीरिक कष्ट की आशंका है। कार्य में विघ्न हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। परीक्षा व साक्षात्कार इत्यादि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क: पुराना रोग उभर सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से तनाव रहेगा। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है, सावधानी रखें।

सिंह: व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। खान-पान का ध्यान रखें। प्रयास सफल रहेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। राजमान के योग हैं।

कन्या: प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परेशानी हो सकती है। मन तथा शरीर में थकान महसूस होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा।

तुला: कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति व रोजगार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक: किसी मद में बड़ा खर्च हो सकता है। आर्थिक? स्थिति कमजोर हो सकती है। किसी के उकसाने में न आएं। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें।

धनु: आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता कम होगी। थकान रह सकती है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर: लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे।

कुंभ: किसी धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता है। आत्मिक शांति रहेगी। किसी विवाद में विजय प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मीन: वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर युवा वर्ग लापरवाही न करें। भागदौड़ अधिक होगी।

चुटकुले

मैं तुम्हारा दर्द समझ सकता हूं...
ऐसा बोलने वालों को भी...
छोटा-मोटा डॉक्टर माना जाना चाहिए...!

अगर बिना न्यौता के शादी में जाओ...
तो खाने के स्टॉल के आसपास का...
हर आदमी घर का मालिक ही लगता है...!

पप्पू - पति क्या होता है...?
गप्पू - पति वह प्राणी है, जो भूत प्रेत से बेशक न डरे
मगर पत्नी की चार मिस्ड कॉल खौफ पैदा करने के
लिए काफी है...!

मां ने सुरेश को डांटते हुए कहा -
सुरेश, तुम बेहद शरारती हो. देखने में भी बंदर लगते
हो...!
सुरेश बोला - लेकिन मां,
पड़ोस वाली आंटी तो कहती हैं कि
तुम बिलकुल अपने पापा की तरह लगते हो...!

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

पंत की वापसी तय, जुरेल को मौका

टेस्ट चैंपियन से लोहा लेने उतरेंगे भारत के ये संभावित-11

दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11

भारत : यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव/साई सुदर्शन, जसप्रीत बुमराह।

दक्षिण अफ्रीका : एडन मार्करम, रेयान रिकेलटन, टोनी डी जॉर्जी, तेंबा बावुमा (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, काइल वेरेन (विकेटकीपर), मार्को यानसेन, साइमन हार्मर, केशव महाराज, सेनुरन मुथुसामी, कगिसो रबाडा।

दोनों स्क्वॉड

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान/विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, आकाश दीप।

दक्षिण अफ्रीका : तेंबा बावुमा (कप्तान), कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी जॉर्जी, जुबैर हम्जा, साइमन हार्मर, मार्को यानसेन, केशव महाराज, एडन मार्करम, वियान मुल्डर, सेनुरन मुथुसामी, कगिसो रबाडा, रयान रिकेलटन, ट्रिस्टन स्टब्स, काइल वेरेन।

कोलकाता। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला शुक्रवार से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा। टी20 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को हराने के बाद अब टीम इंडिया एक बार फिर रेड बॉल प्रारूप में लौट आई है। ईडन गार्डन्स में छह साल बाद टेस्ट क्रिकेट की वापसी हो रही है। कप्तान शुभमन गिल की अगुवाई में भारत अपने घरेलू प्रदर्शन को और मजबूत करने उतरेगा, जबकि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका इतिहास दोहराने उतरेगा।

ईडन गार्डन्स में यह टेस्ट सिर्फ दो टीमों के बीच मुकाबला नहीं, बल्कि टेस्ट की दो शानदार टीमों का टकराव है। इस मुकाबले में भारत की घरेलू स्पिन ताकत और दक्षिण अफ्रीका की संतुलित ऑलराउंड यूनिट के बीच टक्कर देखने को मिलेगी। पहले तीन दिन गेंद और बल्ले के बीच शानदार जंग देखने को मिलेगी और आखिरी दो दिन शायद तय करेंगे कि कौन इस नई डब्ल्यूटीसी साइकिल में पहला कदम मजबूत रखेगा।

ऋषभ पंत की वापसी, नीतीश रेड्डी बाहर

भारतीय टीम के लिए सबसे बड़ी राहत की खबर है ऋषभ पंत की वापसी। पैर की चोट से उबरने के बाद वह फिर से टीम में शामिल हो गए हैं और उम्मीद है प्लेइंग इलेवन में उतरेंगे। इसके अलावा ध्रुव जुरेल के भी खेलने की पूरी संभावना है। वह स्पेशलिस्ट बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे। वहीं, नीतीश रेड्डी को बाहर बैठना पड़ेगा। उन्हें टीम से रिलीज भी कर दिया गया है। दिल्ली में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए टेस्ट से इस टीम में यही एक प्रमुख बदलाव माना जा रहा है। जुरेल ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका-ए के खिलाफ दो शतक जमाए थे। उनके खेलने से प्लेइंग-11 मजबूत होगी। टीम के असिस्टेंट कोच रेयान टेन डेशकाटे ने भी इशारा दिया कि जुरेल का फॉर्म चयनकर्ताओं के लिए लग्जरी ऑप्शन बन गया है।

सुदर्शन या कुलदीप में कौन बेंच पर बैठेगा?

सबसे बड़ा सवाल है कि तीन नंबर पर कौन बल्लेबाजी करेगा। साई सुदर्शन को मौका तो मिला है, लेकिन वह ठोस प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। ऐसे में टीम मैनेजमेंट इन फॉर्म जुरेल को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेज सकता है। ओपनिंग की जिम्मेदारी यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल पर ही होगी। वहीं, चौथे नंबर पर खुद कप्तान बल्लेबाजी करेंगे। पांचवें नंबर पर पंत का आना तय है। ऐसे में सुदर्शन को बेंच पर बैठना पड़ सकता है।

चार स्पिनर खेल सकते हैं, इनमें 3 ऑलराउंडर

इस स्थिति में चार स्पिनर भी खेल सकते हैं। रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर लोअर ऑर्डर में ठोस बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। इससे आठवें नंबर तक भारत के पास बल्लेबाजी के विकल्प होंगे। साथ ही कुलदीप यादव को चौथे स्पिनर के रूप में खिलाया जा सकता है। इसके अलावा जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के रूप में दो तेज गेंदबाज खेल सकते हैं। गिल ने भी गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में अक्षर, जडेजा और सुंदर को भारतीय टीम की ताकत बताया। ऐसे में इनके खेलने की संभावना प्रबल है। भारत अगर सुदर्शन के साथ उतरता है तो एक स्पिनर कम करना पड़ेगा। या फिर चौथे स्पिनर की जगह एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को मौका मिलेगा। कोलकाता में स्पिनर्स को मदद मिलती है। ऐसे में चार स्पिनरों के खेलने की संभावना है।

दक्षिण अफ्रीका की टीम संतुलित: वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप जीतने के बाद तेंबा बावुमा की कप्तानी वाली दक्षिण अफ्रीकी टीम अब भारत में भी जीत का सिलसिला शुरू करना चाहती है। लंबे समय बाद टीम के पास एक पूरी तरह संतुलित बॉलिंग यूनिट है। इसमें तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा के साथ तीन प्रमुख स्पिनर शामिल हैं। केशव महाराज, साइमन हार्मर और सेनुरन मुथुसामी खेलते दिख सकते हैं। टीम की बल्लेबाजी भी मजबूत है। चोट से उबरने के बाद बावुमा ने भारत 'ए' के खिलाफ हाल में एक क्लासिक फिफ्टी जड़ी थी, जिससे उनका फॉर्म वापस आने के संकेत मिले।

क्या संजू सैमसन के CSK में आने पर

'इंपैक्ट प्लेयर' बनेंगे धोनी?

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 की मिनी ऑक्शन से पहले ट्रेड विंडो में कयासों का बाजार गर्म है। इस समय सबसे ज्यादा चर्चा राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन के भविष्य को लेकर है।

खबरें हैं कि सैमसन को चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल किए जाने की संभावना है, जबकि इसके बदले रवींद्र जडेजा राजस्थान लौट सकते हैं। इसी बीच एक और सवाल उभरकर सामने आया है कि अगर सैमसन सीएसके में आते हैं, तो क्या महेंद्र सिंह धोनी टीम में केवल इंपैक्ट प्लेयर की भूमिका में रहेंगे?

बद्रीनाथ के बयान से साफ हो गया है कि धोनी ह्यइंपैक्ट प्लेयरह्ल नहीं बल्कि ह्यइंपैक्ट लीडरह्ल बने रहेंगे। उनकी भूमिका सीमित नहीं होगी, चाहे सैमसन आएं या कोई और, सीएसके की पहचान अभी भी धोनी के अनुभव और शांत नेतृत्व से ही जुड़ी है।

बद्रीनाथ ने किया साफ, कही यह बात

सीएसके के पूर्व स्टार सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने इन अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा, 'एमएस धोनी कभी सिर्फ इंपैक्ट प्लेयर की भूमिका में नहीं होंगे। अगर वह खेलते हैं तो विकेटकीपर के तौर पर ही खेलेंगे। हो सकता है वह पूरा सीजन न खेलें, लेकिन मैदान पर जरूर रहेंगे।'

बद्रीनाथ ने आगे कहा कि धोनी का अनुभव और रणनीतिक समझ चेपॉक स्टेडियम में टीम के लिए बेहद अहम है। उन्होंने कहा, 'धोनी का मैदान पर होना ही सीएसके की सबसे बड़ी ताकत है। छोटे-छोटे फैसले, गेंदबाजों से बातचीत, यही वह मूल्य है जो धोनी लाते हैं।'

कप्तानी को लेकर भी बोले बद्रीनाथ

बद्रीनाथ ने माना कि भले ही रुतुराज गायकवाड़ टीम की कप्तानी संभाल रहे हों, लेकिन धोनी अब भी खेल की दिशा को प्रभावित करते हैं। उन्होंने कहा, 'ऋतुराज कप्तान हैं, लेकिन मैदान पर धोनी की मौजूदगी से टीम का आत्मविश्वास बढ़ जाता है। वह हर ओवर में रणनीति पर नजर रखते हैं।' बद्रीनाथ ने कहा, 'धोनी या तो पूरे रूप में खेलेंगे या फिर कहेंगे- अब मैं तैयार हूं, अलविदा कहने का वक्त आ गया। वह ऐसे खिलाड़ी नहीं हैं जो आधे-अधूरे रोल में रहें।'

अगर संजू सैमसन सीएसके से जुड़ते हैं, तो यह टीम के लिए एक नया अध्याय होगा, लेकिन बद्रीनाथ का मानना है कि धोनी और सैमसन दोनों विकेटकीपर्स के बीच तालमेल की कोई समस्या नहीं होगी। उन्होंने कहा, 'धोनी खुद सैमसन से बात करेंगे और यह तय करेंगे कि टीम के लिए क्या बेहतर है। धोनी के रहते कोई भ्रम नहीं रहेगा।'

चेपॉक से गहरा रिश्ता

बद्रीनाथ ने यह भी जोड़ा कि चेन्नई सुपर किंग्स की आत्मा धोनी हैं, और उनका चेपॉक में खेलना टीम की रणनीति का अहम हिस्सा है।

एशियाई तीरंदाजी में भारतीय महिला और मिश्रित टीम को स्वर्ण, पुरूषों को रजत

ढाका। भारत के कंपाउंड तीरंदाजों ने एशियाई चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए बृहस्पतिवार को दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीते। ज्योति सुरेखा वेन्नम, दीपशिखा और प्रितिका प्रदीप ने महिला टीम वर्ग में कोरिया को फाइनल में 236-234 से हराया।

तीनों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कोरिया की पार्क येरिन, ओ यूहयून और जुंगियून पार्क को मात दी।

कंपाउंड मिश्रित टीम फाइनल में अभिषेक वर्मा और दीपशिखा ने बांग्लादेश को 153-151 से हराकर स्वर्ण जीता।

कंपाउंड मिश्रित टीम फाइनल में अभिषेक वर्मा और दीपशिखा ने बांग्लादेश को 153-151 से हराकर स्वर्ण जीता। कंपाउंड पुरूष टीम फाइनल में भारत को कजाखस्तान ने 230-229 से मात दी। भारतीय टीम में अभिषेक वर्मा, साहिल राजेश जाधव और प्रथमेश फुगे थे जबकि कजाखस्तान टीम में दिलमुखामेत मुसा, बुनियोद मिजार्मेतोव और आंद्रेइ युतयुन शामिल थे।

पाकिस्तान में त्रिकोणीय सीरीज पर आतंकी हमले का खतरा!

सुरक्षा चिंताओं के बीच पीसीबी ने बदला कार्यक्रम

पीसीबी ने पुष्टि की कि सभी सात मैच अब रावलपिंडी में होंगे। टूर्नामेंट का फाइनल 29 नवंबर को खेला जाएगा। दूसरा मैच, जो पहले 19 नवंबर को होना था, अब 20 नवंबर को होगा।

कराची। इस्लामाबाद में हुए हालिया आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ढउइ) ने सुरक्षा कारणों से श्रीलंका और जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली टी20 त्रिकोणीय सीरीज का शेड्यूल और वेन्यू दोनों बदल दिए हैं। अब सीरीज की शुरूआत 17 नवंबर की बजाय 18 नवंबर से होगी और सभी मैच रावलपिंडी में खेले जाएंगे। पहले इस टूर्नामेंट के पांच मुकाबले लाहौर में होने वाले थे, जिसमें फाइनल भी शामिल था।

मैचों की नई तारीखें और स्थान

पीसीबी ने पुष्टि की कि सभी सात मैच अब रावलपिंडी में होंगे। टूर्नामेंट का फाइनल 29 नवंबर को खेला जाएगा।

पीसीबी ने बताया कि यह फैसला श्रीलंका क्रिकेट और जिम्बाब्वे क्रिकेट के साथ मिलकर लिया गया है, ताकि सुरक्षा व्यवस्था और संचालन में कोई दिक्कत न हो। अब ये मुकाबले शुक्रवार (14 नवंबर) और रविवार (16 नवंबर) को रावलपिंडी में खेले जाएंगे, जबकि पहले यह 13 और 15 नवंबर को निर्धारित थे।

खिलाड़ियों की सुरक्षा पर भरोसा दिलाने के प्रयास

इस्लामाबाद में हुए आत्मघाती हमले के बाद श्रीलंकाई टीम के आठ खिलाड़ियों ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। टीम मैनेजर महिंदा हालंगोड़ा ने पुष्टि की कि कोई खिलाड़ी वापस नहीं लौटेगा और टीम पाकिस्तान में ही सीरीज पूरी करेगी।,

गोरखपुर में 21 नवंबर से अलीगढ़ मंडल टीम का हुआ चयन

अलीगढ़। गोरखपुर में खो खो प्रतियोगिता के लिए अलीगढ़ मंडल की टीम का चयन किया गया। चयनीत टीम 20 नवंबर को गोरखपुर के लिए रवाना होगी। गोरखपुर के वीर बहादुर सिंह गोरखपुर स्पोर्ट्स कॉलेज में सीएम कप उत्तर प्रदेश स्टेट सीनियर पुरुष हैंडबॉल एवं खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन 21 से 23 नवंबर तक होगा। महारानी अहिल्याबाई होल्कर स्पोर्ट्स स्टेडियम में अलीगढ़ मंडल की खो-खो टीम का चयन किया गया। जिला खो-खो सचिव अवधेश सारस्वत ने बताया कि चयनीत टीम 20 नवंबर को गोरखपुर के लिए रवाना होगी। अलीगढ़ मंडल टीम में रचित कुमार, विजय कुमार, रोहित, राजेश्वर कुमार, लेखराज, अंकुश कुमार, विकास कुमार, ओमवीर, भानु प्रताप, शिवकुमार, अनमोल, विशाल, गिरीश, सलमान, आकाश कुमार शामिल हैं। अतिरिक्त खिलाड़ियों में जयंत चौधरी, अखिलेश, बृजेश हैं। चयनकर्ता के रूप में यतेंद्र कुमार, रामराज, सोनिया, सुवर्णा, राजेश कुमार, बृजेश कुमार, अर्जुन चौधरी, चंद्रभान खिलाड़ियों का चयन किया। अलीगढ़ जनपद के ग्रामीण इलाकों की बेटियां आज अपने हौसले और मेहनत से यह साबित कर रही हैं कि प्रतिभा परिस्थितियों की मोहताज नहीं होती। गांव मकसूदपुर की खो-खो खिलाड़ी सानिया बचपन से ही इस खेल के प्रति समर्पित रही हैं।

सिनर ने एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह पक्की की

ज्वेरेव को दी शिकस्त

तूरिन (इटली)। यह सिनर की ज्वेरेव पर लगातार पांचवीं जीत है, जिसमें इस वर्ष का ऑस्ट्रेलियाई ओपन का फाइनल भी शामिल है। गत चैंपियन यानिक सिनर ने घरेलू दर्शकों के अपार समर्थन के बीच अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-4, 6-3 से हराकर एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। सिनर ने इनडोर हार्ड कोर्ट पर अपनी जीत का सिलसिला 28 मैचों तक बढ़ा दिया है ।यह सिलसिला दो साल पहले इस प्रतियोगिता के फाइनल में नोवाक जोकोविच से मिली हार के बाद शुरू हुआ था। यह सिनर की ज्वेरेव पर लगातार पांचवीं जीत है, जिसमें इस वर्ष का ऑस्ट्रेलियाई ओपन का फाइनल भी शामिल है। सिनर दो जीत के साथ ब्योर्न बोर्ग ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गए हैं, जबकि ज्वेरेव और फेलिक्स ऑगर अलियासिमे ने एक-एक जीत हासिल की है।

बेन शेल्टन अभी तक एक भी मैच नहीं जीत पाए हैं। एक अन्य मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त ऑगर अलियासिमे ने शेल्टन को 4-6, 7-6 (7), 7-5 से हराकर प्रतियोगिता में अपनी पहली जीत दर्ज की।

ईडन गार्डन्स में पहला टेस्ट...वो भी बतौर कप्तान! मैच के लिए उत्साहित हैं गिल

कोलकाता। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच शुक्रवार से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शुरू हो रहे पहले टेस्ट मैच से पहले कप्तान शुभमन गिल ने टीम चयन को लेकर दिलचस्प खुलासे किए। गिल ने माना कि टीम संयोजन तय करने में अक्सर यह संघर्ष रहता है कि अतिरिक्त स्पिनर लिया जाए या तेज गेंदबाज। इसके अलावा वह ईडन गार्डन्स में अपने पहले टेस्ट को लेकर भी बेहद उत्साहित दिखे। गिल का यह कोलकाता में पहला टेस्ट होगा और वो भी बतौर कप्तान। उनके नाम इस मैदान से खास उपलब्धि जुड़ गई। 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ डे-नाइट टेस्ट में वह स्क्वॉड का हिस्सा थे, लेकिन प्लेइंग-11 में नहीं थे। भारत छह साल बाद ईडन गार्डन्स में कोई टेस्ट खेलेगा।

शुभमन गिल का यह प्रेस कॉन्फ्रेंस साफ करता है कि टीम इंडिया अभी भी स्पिन बनाम सीमर रणनीति पर विचार कर रही है, लेकिन कप्तान के शब्दों में झलकता आत्मविश्वास बताता है कि चाहे विकेट जैसा भी हो, भारत जीत के इरादे से मैदान में उतरेगा।

'ईडन गार्डन्स से बहुत सी यादें जुड़ीं'

गिल ने गुरुवार को प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मेरी ईडन गार्डन्स से जुड़ी बहुत सारी यादें हैं। मेरा आईपीएल करियर यहीं से शुरू हुआ था। यह एक ऐसा मैदान है, जब भी मैं यहां आता हूं, मुझे बिल्कुल वैसा ही महसूस होता है जैसा पीसीए (पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन) की ट्रेनिंग के दौरान होता है, जब हम पंजाब में खेलते हैं। यह कुछ वैसा ही एहसास है। हम छह साल बाद यहां कोई मैच खेल रहे हैं। मुझे लगता है कि हमने जो आखिरी टेस्ट मैच खेला था, वह गुलाबी गेंद से खेला गया टेस्ट मैच था। मैं उस टेस्ट मैच का हिस्सा नहीं था, लेकिन मैं स्क्वॉड का हिस्सा था। इसलिए ईडन गार्डन्स में यह मेरा पहला टेस्ट मैच है और यहां अपने देश का नेतृत्व करने का मौका मिलना मेरे लिए बहुत बड़े सम्मान की बात है।'

गिल ने कहा, 'हर साल इस समय यही विवाद रहता है कि आप एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज लें या स्पिनर। इसलिए हम कल कंडीशन देखकर प्लेइंग इलेवन तय करेंगे।' भारत की टीम में इस मैच के लिए तीन तेज गेंदबाज हैं।

इनमें जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और आकाश दीप शामिल हैं। वहीं, टीम के पास चार स्पिनर विकल्प मौजूद हैं। इनमें रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव शामिल हैं।

'स्पिनर्स ही तय करेंगे मैच का नतीजा'

हालांकि, गिल ने पूरी टीम संयोजन का खुलासा नहीं किया, लेकिन उन्होंने यह जरूर कहा कि स्पिनर्स का रोल निर्णायक रहेगा। उन्होंने कहा, 'टीम लगभग तय है। विकेट कल से थोड़ा अलग दिख रहा है। हम कल सुबह इसे देखकर स्पिन संयोजन फाइनल करेंगे, क्योंकि मैच का फैसला ज्यादातर स्पिनर ही करेंगे।'

सुंदर, जडेजा और अक्षर से टीम मजबूत

गिल ने यह भी बताया कि भारत के पास ऐसे स्पिन ऑलराउंडर हैं जो बल्ले से भी अहम योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे पास बेहतरीन बल्लेबाजी ऑलराउंडर्स हैं। चाहे अक्षर हों, वॉशिंगटन या जडेजा, इनका बल्लेबाजी और गेंदबाजी रिकॉर्ड, खासकर भारत में, शानदार रहा है। यह एक रोमांचक टेस्ट होगा और इतने सारे विकल्प होना टीम के लिए अच्छा संकेत हैं।'

'सूखी पिच पर रिवर्स स्विंग से पेसर्स भी खेल में रहेंगे'

हालांकि, गिल ने यह भी साफ किया कि अगर पिच सूखी रहती है तो तेज गेंदबाज भी प्रभाव डाल सकते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर विकेट सूखा है तो रिवर्स स्विंग अहम भूमिका निभाती है। 2024 की इंग्लैंड सीरीज में भी पेसर्स ने स्पिन-अनुकूल पिचों पर महत्वपूर्ण विकेट लिए थे। अगर गेंद रिवर्स हो रही है तो पेसर्स हमेशा खेल में रहते हैं।'

15 नवंबर को है रिटेन-रिलीज खिलाड़ियों के नामों के एलान की आखिरी तारीख

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की मिनी नीलामी अब बस कुछ ही हफ्तों की दूरी पर है। इस बार का टूर्नामेंट और भी खास रहेगा क्योंकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 2025 सीजन में इतिहास रचते हुए अपना पहला आईपीएल खिताब जीता था। अब सभी टीमों की नजरें आगामी सीजन की तैयारियों और रिटेंशन लिस्ट पर टिकी हैं।

जानकारी के मुताबिक, 15 नवंबर 2025 को वह अंतिम तारीख तय की गई है जब तक सभी फ्रेंचाइजियों को अपने रिटेन और रिलीज खिलाड़ियों की सूची बीसीसीआई को सौंपनी होगी।

नम आंखों से दी गई स्वर्गीय धर्मपाल त्यागी को श्रद्धांजलि

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा राज नगर मंडल के अध्यक्ष नीरज त्यागी के पिता धर्मपाल त्यागी का निधन 9 नवंबर को हो गया था। स्वर्गीय धर्मपाल त्यागी की शोक सभा गुरुवार को आर्य समाज मंदिर राजनगर में आयोजित की गई। शोक सभा में समाज की गणमान्य लोग पहुंचे और सभी ने धर्मपाल त्यागी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

गाजियाबाद में तीन स्थानों पर बनेगा लेबर अड्डा

मजदूरों को मिलेगा रोजगार, श्रम विभाग और नगर निगम की संयुक्त पहल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नगर निगम गाजियाबाद श्रम विभाग के सहयोग के लिए शहर में संगठित श्रमिकों को रोजगार और एक बेहतर कार्यस्थल उपलब्ध कराने जा रहा है। इसके लिए नगर निगम क्षेत्र में तीन प्रमुख स्थानों पर लेबर अड्डे विकसित करने की योजना तैयार कर ली गई है।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया है कि इस पहल का उद्देश्य शहर के मजदूरों को एक निश्चित स्थान पर काम के अवसर उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें रोजाना रोजगार की तलाश में इधर-उधर भटकना न पड़े।

साथ ही, यह प्रयास श्रम विभाग की योजनाओं को भी जमीनी स्तर पर सशक्त करेगा और असंगठित मजदूरों को एक संगठित पहचान मिलेगी।

जीटी रोड, पटेल नगर और राजेंद्र नगर में मिलेगा स्थान

करंट क्राइम। नगर निगम अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार जिन तीन स्थानों को लेबर अड्डा विकसित करने के लिए चुना गया है, वे हैं अर्थला (जीटी रोड, हज हाउस के निकट), राजेंद्र नगर (मेजर मोहित शर्मा मेट्रो स्टेशन के पास, जगोला क्षेत्र) और पटेल नगर के पास बोंझा क्षेत्र बताया गया है कि इन स्थानों पर लगभग 160 मीटर क्षेत्रफल में लेबर अड्डे विकसित किए जाएंगे। यहां मजदूरों को रोजगार से जुड़ी जानकारी, श्रम सुरक्षा योजनाओं का लाभ और दैनिक कार्य हेतु संगठित व्यवस्था मिलेगी। श्रम विभाग का मानना है कि इस पहल से न केवल मजदूरों को सुविधा मिलेगी, बल्कि निम्न आय वर्ग के लोगों को भी स्थायी रूप से रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि योजना के क्रियान्वयन की प्रक्रिया जल्द ही शुरू की जाएगी।

बूथ लेवल एजेंट नियुक्ति पर सपा ने जिलाध्यक्षों को भेजे नए निर्देश

लखनऊ करंट क्राइम। समाजवादी पार्टी ने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की नियुक्ति संबंधी नियमों में हुए बदलाव को लेकर अपने सभी जिलाध्यक्षों और महानगर अध्यक्षों को नए निर्देश भेजे हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने 13 नवंबर 2025 को जारी पत्र में चुनाव आयोग के ताजा आदेश की जानकारी साझा की।

चुनाव आयोग के संशोधित नियमों के आधार पर पार्टी ने दी औपचारिक जानकारी

चुनाव आयोग के पत्र (दिनांक 11 नवंबर 2025) के अनुसार बीएलए नियुक्ति में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। पार्टी ने अपने संगठन को बताया है कि अब बीएलए के लिए उसी बूथ का मतदाता होना अनिवार्य नहीं रहेगा। एक ही विधानसभा क्षेत्र के किसी भी बूथ का मतदाता उसी विधानसभा के किसी भी बूथ का बीएलए बनाया जा सकता है।

गौरतलब है कि पुराने नियमों में बीएलए केवल उसी बूथ का मतदाता होना आवश्यक था जहाँ उसकी नियुक्ति की जाती थी। सपा प्रदेश अध्यक्ष ने यह निर्देश संगठन के सभी स्तरों पर भेजते हुए स्पष्ट किया है कि आगामी चुनावी तैयारियों में इन संशोधित नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए।

आरएलडी सहकारिता प्रकोष्ठ की बैठक मोरटा में आयोजित

गाज़ियाबाद करंट क्राइम। राष्ट्रीय लोकदल सहकारिता प्रकोष्ठ की ओर से मोरटा गांव स्थित एम.आर. भवन में आयोजित बैठक में अंकुर त्यागी मोरटा को सहकारिता प्रकोष्ठ, गाज़ियाबाद का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। मनोनयन पत्र प्रदेश अध्यक्ष अमरजीत सिंह बिड्डी और क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकुमार ने संयुक्त रूप से सौंपा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष चौधरी रामपाल सिंह ने की, जबकि संचालन अरुण चौधरी भुल्लन और प्रदीप मुखिया ने संयुक्त रूप से किया। अमरजीत सिंह बिड्डी ने कहा कि चौधरी जयंत सिंह के मार्गदर्शन में सहकारिता प्रकोष्ठ को मजबूत करना प्राथमिकता है। वहीं रामकुमार ने विश्वास जताया कि अंकुर त्यागी संगठन के कार्यों को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाएंगे। अंकुर त्यागी ने पदाधिकारियों और कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे सहकारिता प्रकोष्ठ को मजबूत बनाने की दिशा में कार्य करेंगे।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख लोगों में वीरपाल मलिक (केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी के निजी सलाहकार), चौधरी तेजपाल सिंह, हाजी कुंवर अयूब अली, अजय प्रमुख, लोनी पूर्व चेयरमैन मनोज धामा, पतला नगर पंचायत चेयरपर्सन रीता चौधरी, डॉ. पूनम गर्ग (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ), रणवीर सिंह दहिया, सुमन चौधरी (महिला जिला अध्यक्ष), प्रो. अरुण दहिया, अरुण चौधरी भुल्लन, प्रदीप मुखिया, सत्येंद्र तोमर, योगेंद्र, वीर सिंह सलेमाबाद, बिट्टू खंजरपुर, राम भरोसे लाल मौर्य, विनोद काजमपुर, राखी संधू, तेजबीर दबाना, मनेंद्र बिल्ला, रजत धीमान, दीपू शर्मा, जयदीप चौधरी (युवा जिला अध्यक्ष), लोकेश कटारिया, नरेंद्र कुमार, आलोक चौधरी मोदीनगर, नीरज नवीपुर, रवि हरित, रविन्द्र चौधरी, संजय सांगवान, अजीत खंजरपुर, रणजीत सिंह तेवतिया, रवि बाल्मीकि देशपाल दुहाई, इंद्रपाल डायरेक्टर, योगेश फराना, ऋषि पाल सिंह, जुनैद चौधरी, रईस कुरैशी, हाजी तोहिद, मोदीनगर शहर अध्यक्ष मनोज कुमार, ऋषि राज त्यागी, मुकेश त्यागी, दीपक त्यागी, राजेश पहलवान, सतवीर त्यागी, सुनील त्यागी, राजवीर त्यागी, बबलू त्यागी, मनोज राठी, ओमिंदर ढिंडार आदि शामिल रहे।

मुरादनगर में आज 'रन फॉर यूनिटी मार्च' का आयोजन

मुरादनगर करंट क्राइम। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को मुरादनगर में 'रन फॉर यूनिटी मार्च' आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 10 बजे अम्बेडकर पार्क से शुरू होकर मेन कस्बा रोड स्थित के.एन. इंटर कॉलेज तक पहुंचेगा।

अम्बेडकर पार्क से शुरू होकर के.एन. इंटर कॉलेज तक जाएगा मार्च

मार्च में राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति भी प्रस्तावित है। यह आयोजन भाजपा महानगर अध्यक्ष के आह्वान पर और विधायक अजीत पाल त्यागी के नेतृत्व में किया जा रहा है। कार्यक्रम की तैयारियों में यात्रा संयोजक मोनू त्यागी तथा अभियान संयोजक गौरव चोपड़ा और अमित रंजन शामिल हैं।

कभी थे बेहद खास थानों में अब है गुमनाम

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में वैसे तो बंपर संख्या में थ्री-स्टार मौजूद हैं, पर कुछ के समीकरण सालों से आउट चल रहे हैं तो चर्चा है कि कुछ पर जल्द ही कृपा भी होने वाली है। उधर सूत्रों ने बताया है कि वर्तमान में आधा दर्जन ऐसे थ्री-स्टार हैं, जो कभी पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के अलग-अलग जोन के प्रमुख थानों के प्रभारी होते थे,वह वर्तमान में बीते एक साल से वह किसी सेल, किसी कार्यालय और किस काम में लगे हैं, पर उनकी कोई खबर नहीं मिल रही है। इन सबके बीच पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के सूत्रों ने बताया है कि बम धमाके की वजह से लोकल कमिश्नरेट वाली लिस्ट लेट चल रही है। पर चर्चा है कि जो यह कभी खास और महत्वपूर्ण थानो के प्रभारी थे, वह इन दिनों गुमनाम हो चुके हैं। इन सबके के बीच जानकारी मिल रही है कि इनमें से कई के नाम की चर्चा बीती कई लिस्ट में हुई है, पर अंत में नाम वही आए जो या तो नए थे या सिफारिश में बेहद अव्वल रहे थे। अब कहा जा रहा है कि पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में एक थ्री- स्टार तो सेल में खो चुके हैं। तो कई ऐसे हैं जो अलग-अलग महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, पर स्क्रीन से दूर हैं। अब उनका नाम चर्चाओं से अलग हो चुका है और वह भी मान चुके हैं कि अब कमिश्नरेट में समय ही पूरा करना है। वहीं सूत्र यह भी बता रहे हैं कि पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में बाहर से आने वाले दो थ्री-स्टार इस लिस्ट में लोकल राज करेंगे। वहीं बताया तो यहां तक जा रहा है कि सिटी और नदिया पार वाले जोन में एंट्री लेंगे ,एक का नाम तो दूसरे कमिश्नरेट में अभी से शुरू हो चुका है। तो दूसरे को लेकर अभी सस्पेंस बरकरार चल रहा है। कुल मिलाकर देखना होगा कि पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में जो अगली लिस्ट आती है, उसमें सिटी ,देहात और ट्रांस हिंडन से किसका विकेट गिरता है। किसको मौका मिलता है और किसको इधर से उधर शिफ्ट किया जाता है। वैसे बीते कुछ मामले कमिश्नरेट वाले सिस्टम में सिरदर्द भी बने हैं। देखते हैं आने वाले दिन में क्या परिवर्तन होता है और किस पर दया बरसती है। कुल मिलाकर पुलिस कमिश्नरेट वाले सूत्र बता रहे हैं कि इस लिस्ट में कास्ट वाला कनेक्शन भी देखने को मिलेगा। तो वही बीते दिनों बड़े साहब की एक जनप्रतिनिधि से हुई मुलाकात का भी असर इसमें नजर आ सकता है।

यातायात माह में मानको को पूरा न कर सड़कों पर दौड़ती बसों के खिलाफ उजागर फाउंडेशन ने संभागीय परिवहन अधिकारी को दिया पत्र

अवैध रूप से संचालित वाहनों के खिलाफ होंगी सख्त कार्यवाही : सियाराम वर्मा आर.टी.ओ. प्रवर्तन

गाजियाबाद करंट क्राइम। उजागर फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवानी जैन व महासचिव सचिन सोनी ने संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) से मुलाकात की फाउंडेशन की अध्यक्ष शिवानी जैन ने श्री वर्मा को बताया की उजागर फाउंडेशन ने अवैध रूप से संचालित बसों का संचालन बंद कराने हेतु मान्य उच्च न्यायालय इलाहबाद में जनहित याचिका प्रस्तुत की है। जिस पर शासन स्तर से जारी आदेशों का जिक्र करते हुए विभागीय स्तर से जवाब प्रस्तुत किया गया है।

जमीनी स्तर की स्थिति से अवगत कराने हेतु हमारी संस्था के सदस्यों ने सड़को पर दौड़ रही ऐसी बसों की फोटो की है जोकि न केवल राज्य सरकार परिवहन बसों के रंग जैसे रंग में रंगी है बल्कि उन पर उत्तरप्रदेश भी लिखा है।

नवंबर माह में संचालित यातायात माह के विशेष अभियान के तहत यदि ऐसे वाहनों के खिलाफ कार्यवाही होंगी जोकि सरकार को राजस्व की हानि पहुंचाने के साथ-साथ आम-जन के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे है तभी अभियान की सार्थकता सिद्ध होंगी। महासचिव सचिन सोनी ने कहा की आरटीओ अपने संभाग में अवैध रूप से संचालित वाहनों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए वाहनों को स्वस्थता प्रमाणपत्र जारी करने हेतु वाहनों का निरीक्षण करने वाले अधिकारी की जाँच करे व यदि फिटनेस सर्टिफिकेट प्राप्त करने के पश्चात वाहन के मूल स्वरूप में परिवर्तन किया गया है।

तो वाहन स्वामी के खिलाफ कार्यवाही करे। श्री वर्मा ने ऐसे वाहनों के खिलाफ जल्द कार्यवाही का आश्वासन दिया। श्रीमती जैन ने कहा की कार्यवाही होती प्रदर्शित न होने पर माननीय उच्च न्यायलय को साक्षयों सहित अवगत कराया जायेगा।

लाल किला ब्लास्ट के मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए कांग्रेस महिला प्रकोष्ठ ने निकाला मार्च

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। दिल्ली लाल किला में हुए ब्लास्ट में मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए कांग्रेस महिला प्रकोष्ठ की ओर से कैंडल मार्च निकाला गया । महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष डोली त्यागी के नेतृत्व में निकाले गए मार्च में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। महिला कार्यकताओं ने मामबत्तियां जलाकर ब्लास्ट में जान गंवाने वाले लोगों की आत्मा शांति के लिए प्रार्थना की। जिला अध्यक्ष डॉली त्यागी ने कहा कि महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा और प्रदेश अध्यक्ष भारती त्यागी के निर्देश अनुसार गाजियाबाद जिला महिला कांग्रेस की ओर से कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। मार्च के बाद जिला कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में महिला कांग्रेस की कार्यकताओं ने मृतकों की आत्मा शांति के लिए प्रार्थना की। साथ ही ब्लास्ट में घायल लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए कामना की। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार आतंकवादियों के मंसूबों को खत्म करने में कामयाब नहीं हो पा रही है। दिल्ली के लाल किला जैसे व्यस्ततम इलाकों में बम विस्फोट आंतरिक सुरक्षा के लिए एक चुनौती है। कांग्रेस बम ब्लास्ट पर सरकार की ओर से श्वेत पत्र की मांग करती है ताकि जनता को पता चल पाए की कहां चूक हुई है। आज के कैंडल मार्च में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष ममता सिंह, जिला महासचिव राबिया खान, कमलेश कुमारी एडवोकेट, समीना खातून, सविता जायसवाल, ममता बावा, आकांक्षा वर्मा के अलावा अन्य सैकड़ों महिलाएं उपस्थित रही।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। समाजवादी पार्टी के पूर्व महानगर अध्यक्ष जेपी कश्यप राजनीति से अलग हटकर कई बार सटीक शब्दों में बेहतरीन सुझाव देते हैं। जेपी कश्यप ने अपनी पोस्ट के जरिए यह बताया कि किस तरह से हम अपने इर्द-गिर्द फैले रिश्तो के भ्रम से बच सकते हैं। सटीक शब्दों के साथ जीवन की सच्चाई से रूबरू कराती जेपी कश्यप की यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

लाला जी को पड़ा है रशियन गर्ल्स का एक ठुमका ढाई पेटी का

वैसे तो सुना है कि समाज के शाही इमाम के दिल में इस बात का रोष है कि लो जी अब हम शादी ब्याह में रशियन का डांस भी नहीं देख सकते। सुना है समाज के युग प्रवर्तक वाले नाम पर बने भवन में एक बैठक भी हुई। इस बैठक में बिरादरी के कविनगर वाले नेता जी भी शामिल हुए। बिरादरी के नाम पर सुरक्षा संघ बनाने की बात भी की गई। वहीं दूसरी तरफ बिरादरी के दूसरे लोगों का मानना है कि ठुमके ही लगवाने हैं तो बैंकट हॉल बुक करा कर लगवा लो। वैसे भी हमारी बिरादरी ऐसी है कि वो फायर करने के लिए भी किसी को हायर कर लेती है। इन सबके बीच मामला अब सेटल हो गया है। लाला जी चौकी में भी बैठ आये और सुना है कि 151 जैसी धारा में चुपचाप चालान भी हो गया और मामला सैटल होने के नाम पर ढाई पेटी का भुगतान भी हो गया। लाला जी के पास गुटके और सिगरेट से अर्जित किया मज़बूत वित्त है। लेकिन सुना है कि इन दिनों पूरी तरह से अशांत उनका चित्त है। लाला जी को रशियन का एक ठुमका ढाई पेटी का पड़ा है। लाला जी के मन में यही फांस है कि रशियन का डांस कराना कौन सा अपराध है।

निकले निगम पार्षद के बोल आफ्टर ऑल निगम में क्या है हमारे अध्यक्ष का रोल

एक दौर था जब मामला निगम का हो या विधानसभा का हो, संगठन वालों की अलग ही टौर हुआ करती थी। कार्यकारिणी उपाध्यक्ष के लिए एक लंबी रस्सा कशी सिर्फ इस बात को लेकर हुई थी कि नाम कमांडर देंगे और फैसला कोर करेगी। हुआ भी यही था। मगर अब कहानी ये हो रही है कि कभी अध्यक्ष जी के कर कमलों से कमल वाले माला पहनते हैं और फिर कमल वाली ही आकर उस माला को अपने कर कमलों से तोड़ देती है। सीधा सा संदेश कि तुम संगठन के अध्यक्ष हो और निगम के मैटर में तुम आये ही क्यों। कुछ दिन शांति रहती है और अध्यक्ष जी फिर अंगड़ाई लेते हैं। अब अंगड़ाई क्या वो अपनी जान को एक नई लड़ाई लेते हैं। जैसे ही जिक्र निगम का आता है तो महानगर वाले क्षेत्र को देखते हैं और क्षेत्र वाले प्रदेश का इंतजार करते हैं। जुबान से कुछ नहीं कहते और लहजों से सब स्वीकार करते हैं। कोई कोर वोर का सीन नहीं है और निगम का उपाध्यक्ष ऊपर से बन कर आ जाता है। अब देवतुल्य मैम्बर ने ही पूछा कि हमें तो बस इतना पता चल जाये कि निगम वाले मामलों में अध्यक्ष जी का रोल क्या है। उसने बताया कि वो जीडीए बोर्ड में जाना चाहता है और जिस तरह से वो अध्यक्ष जी का मान सम्मान होते हुए देख रहा है। उससे यही पता चला रहा है कि अशोक नगर के चक्कर काटने के बजाय नेहरू नगर के दरवाजे पर डेरा डाला जाये तभी बात बन पायेगी।

कौन बोला जय भीम भाई साहब, आप अभी तो बसपा में ही हो ना

हाथी वालों के यहां अजीब ही खेला चल रहा है। फूल वाले कहीं की ईंट कहीं का रोड़ा जोड कर अपना कुनबा बढ़ा रहे हैं। जो फूल को मुरझाने के लिए बागी होकर चुनाव लड़े थे वो उन्हें भी राजी करके वापस ला रहे हैं। हाथ वालों के यहां नई भर्ती खुली पड़ी है मगर इतना बुरा हाल है कि आने को तैयार नहीं है। जो बचे कुचे रह गये हैं बस उन्हीं के दम पर काम चल रहा है। मंदी के इस दौर में अगर अकड़ देखनी है तो आप नीले हाथी की देखिये। जब दूसरे दलों के ईरबीर-फत्तेबीर लिये जा रहे हैं तब हाथी वालों के यहां अपने महावतों को हाथी से उतार कर बाहर धक्के दिये जा रहे हैं। अब बताओ ये बात कहीं फाईन है कि वेस्ट यूपी वाले राईन को बाहर का रस्ता दिखा दिया। जिला अध्यक्ष का तो ये ही पता नहीं चलता कि आज वो हाथी पर सवार है और कल पार्टी से बाहर है। सीन केवल इन्हीं के साथ ऐसा नहीं चल रहा और ऐसा बिहेव किन्हीं कि साथ भी हो सकता है। अब आलम ये हो चला है कि जय भीम के बाद ये पूछा जाता है कि आप टीम में हो या हो गया निष्कासन। तफरी वाले अंदाज में बाहर हो चुके एक महावत ने अंदर बैठे महावत को फोन मिलाया। फोन उठाने के बाद जय भीम अभिवादन हुआ और निष्कासित महावत ने पूछ ही लिया कि भाई साहब अभी हाथी पर सवार हो या बाहर हो।

अमेरिका में जैविक सामग्री तस्करी मामले में चीनी वैज्ञानिक दोषी करार

सजा पूरी होने के बाद होगा निर्वासन

चीनी वैज्ञानिक ने यह भी स्वीकार किया कि उन्होंने चीन में अपने एक सहयोगी से जैविक नमूने भेजने को कहा था, जिन्हें उसने एक किताब के अंदर छिपाकर 2024 में अमेरिका भेजने की कोशिश की थी। यह किताब अमेरिकी एजेंसियों ने बीच में ही पकड़ ली। मामले में साजिश का आरोप वापस ले लिया गया है, और उनको केवल तस्करी और झूठे बयान देने के अपराध में दोषी ठहराया गया।

डेट्रायट। अमेरिका के मिशिगन में जैविक सामग्री की तस्करी के मामले में गिरफ्तार एक चीनी वैज्ञानिक ने बुधवार को अदालत में अपना अपराध कबूल कर लिया। हालांकि अदालत ने उसे पहले से जेल में बिताए पांच महीने की सजा को ही अंतिम माना और अब उसे रिहा कर चीन वापस भेजा जाएगा। 33 वर्षीय यूनकिंग जियान, जो यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन की एक लैब में अस्थायी शोधकर्ता के रूप में काम कर रही थीं, को जून 2024 में गिरफ्तार किया गया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने अपने प्रेमी जुनयोंग लियू के साथ मिलकर अमेरिका में एक खतरनाक फफूंदी (फंगस) लाने की साजिश रची थी।

क्या है फ्यूजेरियम ग्रामिनेरम?

यह फफूंदी फ्यूजेरियम ग्रामिनेरम नाम के एक रोगजनक है, जो गेहूं, जौ, मक्का और चावल जैसी फसलों पर हमला कर सकती है और उन्हें बर्बाद कर सकती है। यह फफूंदी अमेरिका के कुछ इलाकों में मौसम और फसल की परिस्थितियों पर निर्भर करते हुए पहले से मौजूद होती है, लेकिन इसे विदेश से बिना सरकारी अनुमति लाना कानूनन अपराध है।

गंभीर नुकसान की आशंका थी- सरकारी वकील: वहीं अमेरिकी सरकारी वकील माइकल मार्टिन ने अदालत में कहा कि इस कृत्य से 'गंभीर नुकसान' की आशंका थी, हालांकि उन्होंने विस्तार से यह नहीं बताया कि नुकसान कैसे हो सकता था। उन्होंने कहा, 'मेरे पास यह सबूत नहीं है कि उसने बुरी नीयत से यह किया, लेकिन यह भी सबूत नहीं है कि उसने मानवता के भले के लिए किया।'

अदालत में चीनी वैज्ञानिक ने कबूला अपराध: मामले की संघीय न्यायाधीश सुसान डेकलर्क ने इस मामले को बहुत अजीब बताया और कहा कि आरोपी एक 'बेहद योग्य शोधकर्ता' हैं। इस मामले में सरकारी वकील ने जहां दो साल की सजा की मांग की थी, वहीं जज ने केवल पांच महीने की सजा दी, जो जियान पहले ही जेल में काट चुकी थीं। यूनकिंग जियान को अदालत में जंजीरों में पेश किया गया, उन्होंने अदालत से माफी मांगी और कहा कि वह दबाव में थीं। अपने लिखित बयान में उन्होंने लिखा, 'मैंने नियमों का पालन नहीं किया क्योंकि मुझ पर शोध को आगे बढ़ाने और परिणाम देने का दबाव था। मेरा उद्देश्य किसी को नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि फसलों को बीमारियों से बचाने के तरीकों पर काम करना था।'

डेट्रायट हवाईअड्डे पर बरामद हुए थे नमूने: उनके साथी शोधकर्ता जुनयोंग लियू, जिनके पास से डेट्रायट हवाईअड्डे पर नमूने बरामद हुए थे, इस समय चीन में हैं और उनके अमेरिका लौटने की संभावना बहुत कम बताई जा रही है। अदालत ने आदेश दिया है कि यूनकिंग जियान को रिहा कर शीघ्र चीन भेजा जाए।

दक्षिण कोरिया के ग्योंगगी प्रांत में हादसा

भरे बाजार में घुसा बेकाबू ट्रक, दो की मौत और कई घायल

दक्षिण कोरिया के ग्योंगगी प्रांत के एक बाजार में बेकाबू ट्रक के घुसने से हुए हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं इस हादसे में करीब 18 लोग घायल बताए जा रहा है। मामले में पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हादसे के दौरान ट्रक चालक नशे में नहीं था, फिलहाल घटना के वजह की जांच की जा रही है।

ग्योंगगी। दक्षिण कोरिया के बुचॉन शहर (ग्योंगगी प्रांत) में गुरुवार को एक बड़ा हादसा हुआ, जब एक ट्रक एक बाजार में घुस गया। इस हादसे में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 18 लोग घायल हो गए हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, ट्रक अचानक बेकाबू हो गया और करीब 150 मीटर तक तेज रफ्तार में बाजार के अंदर घुसता चला गया। इस दौरान उसने कई दुकानों और लोगों को टक्कर मार दी।

हादसे के दौरान नशे में नहीं था ट्रक चालक

मामले में आपातकालीन अधिकारियों ने बताया कि हादसा उस वक्त हुआ जब बाजार में भीड़ थी और कई लोग खरीदारी कर रहे थे। ट्रक पहले लगभग 28 मीटर पीछे की ओर गया, फिर अचानक तेज रफ्तार से आगे बढ़ते हुए दुकानों की कतार में जा टकराया। पुलिस ने बताया कि ड्राइवर ने गाड़ी के अचानक तेज होने को हादसे की वजह बताया है। जांच में यह भी पाया गया कि चालक शराब या किसी नशे के प्रभाव में नहीं था।

घायलों का अस्पताल में इलाज जारी

इस दुर्घटना में घायल होने वालों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि कई घायलों की हालत गंभीर है। हादसे की पूरी जांच जारी है ताकि यह पता चल सके कि ट्रक में कोई तकनीकी खराबी थी या मानवीय गलती से यह दुर्घटना हुई।

इस भीषण हादसे के बाद इलाके में सन्नाटा पसरा है। हर दिन भीड़-भाड़ रहने वाले बाजार में हादसे के कई निशान मौजूद है। फिलहाल, स्थानीय प्रशासन ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और पीड़ितों की मदद के लिए राहत कार्य शुरू कर दिए हैं।

यूक्रेनी सेना प्रमुख ने रूसी घेराबंदी वाले शहर का किया दौरा

भ्रष्टाचार मामले में घिरे जेलेंस्की

यूक्रेन की वोलोदिमिर जेलेंस्की सरकार भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रही है। वहीं, कीव में अदालत ने जांच एजेंसियों की ओर से पेश किए गए गवाहों के बयान दर्ज किए हैं।

कीव। यूक्रेनी शीर्ष सैन्य कमांडर ने गुरुवार को बताया कि उन्होंने पूर्वी यूक्रेन के एक अहम शहर में मोर्चा संभाले सैनिकों से मुलाकात की, जहां रूसी सेना ने घेराबंदी कर रखी है। इस बीच, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की उनकी सरकार को घेरने वाले भ्रष्टाचार के मामले का सामना कर रहे हैं।

जेलेंस्की की सरकार में न्याय मंत्री और उर्जा मंत्री ने बुधवार को इस्तीफा दे दिया। मंत्रियों ने यह कदम ऐसे समय में उठाया, जब उर्जा क्षेत्र में भ्रष्टाचार की जांच की जा रही है। इसके बाद सरकार ने सरकारी परमाणु उर्जा कंपनी एनरगोटॉम के उपाध्यक्ष को भी पद से हटा दिया। जांच एजेंसियों का मानना है कि यही कंपनी रिश्वतखोरी के मामले के केंद्र में है।प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीदेंको ने देर रात बताया कि एनरगोटॉम के वित्त, कानूनी और खरीद विभागों के प्रमुखों के साथ-साथ कंपनी के अध्यक्ष के एक सलाहकार को भी पद से हटा दिया गया है।

कीव की अदालत में दर्ज हुए गवाहों के बयान

कीव की एक अदालत में भ्रष्टाचार-रोधी एजेंसियों की ओर से पेश गवाहों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

इन एजेंसियों ने 15 महीने की जांच की है, जिसमें करीब एक हजार घंटे की फोन रिकॉर्डिंग शामिल है। इस जांच के दौरान पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया और सात अन्य पर आरोप लगाए गए। बताया जा रहा है कि इस योजना से करीब 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर की अवैध कमाई की गई।

जेलेंस्की की मीडिया प्रोडक्शन कंपनी 'क्वार्टल 95' के सह-संस्थापक तैमूर मिंदिच को इस साजिश का मुख्य सूत्रधार माना जा रहा है। इस जांच ने यह सवाल भी खड़े किए हैं कि क्या देश के शीर्ष अधिकारी इस योजना के बारे में पहले से जानते थे।

यह मामला तब और चर्चित हो गया, जब लोगों को याद आया कि पिछले साल जेलेंस्की ने भ्रष्टाचार-रोधी एजेंसियों की शक्तियों को सीमित करने की कोशिश की थी। हालांकि, जब देशभर में विरोध प्रदर्शन हुए और यूरोपीय संघ ने दबाव बनाया, तो उन्होंने यह कदम वापस ले लिया।

यूक्रेन के लोग जब इस घोटाले पर नाराजगी जता रहे हैं, तब यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि यूरोपीय संघ गुरुवार को यूक्रेन को छह अरब यूरो (करीब सात अरब डॉलर) की वित्तीय सहायता देगा और आगे भी मदद जारी रखेगा।

बलूचिस्तान में बगावत की आग भड़कने से दहशत में पाकिस्तान

बलूचिस्तान के अधिकारियों ने जानकारी देते हुए कहा कि सेवाओं पर प्रतिबंध लगाने का ये फैसला प्रांत में सुरक्षा अलर्ट और मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए लिया गया है।

कराची। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में गृहयुद्ध जैसे हालात गहराते जा रहे हैं। पाकिस्तानी सेना की ओर से आम नागरिकों की हत्याओं और बलोच नेताओं के अपहरण की घटनाओं के बीच बलूचिस्तान में मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। गृह मंत्रालय की ओर से जारी सुरक्षा अलर्ट के बाद राजधानी क्वेटा को छोड़कर पूरे बलूचिस्तान प्रांत में इंटरनेट बैन लगा दिया गया है।

बलूचिस्तान प्रांत की सरकार के गृह विभाग की ओर से बुधवार (12 नवंबर, 2025) को जारी अलर्ट के बाद 16 नवंबर, 2025 तक के लिए मोबाइल इंटरनेट को बैन कर दिया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग एन-70 के लोरलाई खंड तक गाड़ियों की आवाजाही पर भी रोक लगा दी गई है। ये रोक 14 नवंबर तक जारी रहेगी। अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि सेवाओं पर प्रतिबंध लगाने का ये फैसला प्रांत में सुरक्षा अलर्ट और मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए लिया गया है। अधिकारियों ने ये भी एलान किया कि क्वेटा के कैंटोनमेंट इलाके के सारे स्कूल सुरक्षा कारणों से 16 नवंबर तक बंद रहेंगे। बलूचिस्तान प्रांत के अधिकारियों ने कहा, "प्रांत के सारे ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट सेवा बंद रहेगी। क्वेटा में ये प्रतिबंध लागू नहीं होगा।" हालांकि बुधवार को क्वेटा में कई इंटरनेट यूजर्स ने सेवाओं के काम न करने की शिकायत दर्ज कराई थी। गृह विभाग की ओर से सारे जिला प्रशासनों, पुलिस और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस फैसले को तत्काल लागू कराया जाए। इसके साथ ही जनता के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया। बलूचिस्तान में लंबे समय से बलोच आर्मी की ओर से पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाया जाता रहा है। वहीं जवाबी कार्रवाई पाकिस्तानी सेना भी बलोच नेताओं और कार्यकताओं के साथ आम नागरिकों पर भी जुल्म ढाने में कोई कोताही नहीं बरतती है.18 सितंबर, 2025 को पाकिस्तानी सेना ने बलूचिस्तान के जेहरी इलाके में एयरस्ट्राइक की थी, जिसमें 3 आम नागरिक मारे गए थे।

'फरवरी के मध्य में कराए जाएंगे संसदीय चुनाव, जुलाई चार्टर पर भी होगा जनमत संग्रह'

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने घोषणा की कि अगले साल फरवरी के मध्य में आम चुनाव कराए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जुलाई चार्टर पर भी उसी समय जनमत संग्रह होगा।

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि संसदीय चुनाव फरवरी के मध्य में उत्सवपूर्ण माहौल में कराए जाएंगे। जुलाई चार्टर पर जनमत संग्रह भी संसदीय चुनावों के समय आयोजित किया जाएगा।

'जुलाई चार्टर' यूनुस की अध्यक्षता वाले राष्ट्रीय सर्वसम्मति आयोग (नेशनल कंसेंसस कमीशन) ने तैयार किया गया है, जिसमें 84 सुधार प्रस्ताव शामिल हैं।

यह चार्टर कई दलों से चर्चा के बाद तैयार किया गया, लेकिन इसमें पदच्युत प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग को शामिल नहीं किया गया था। हालांकि बीएनपी ने शुरू में जनमत संग्रह पर आपत्ति जताई थी, बाद में उसने इसे चुनाव के साथ कराने का सुझाव दिया। वहीं, जमात-ए-इस्लामी और कुछ अन्य इस्लामी दल चाहते हैं कि जनमत संग्रह चुनाव से पहले कराया जाए। यूनुस समर्थित छात्र संगठन नेशनल सिटिजन पार्टी ने कहा कि चार्टर में असहमति की कोई जगह नहीं होगी, जिससे बीएनपी नाराज है।

हसीना सरकार के पतन के बाद की स्थिति

बांग्लादेश में फरवरी 2026 में आम चुनाव होने की संभावना है। यह देश का पहला चुनाव होगा, जब से छात्र आंदोलन के बाद पिछले साल शेख हसीना की 15 साल पुरानी सरकार का तख्तापलट कर दिया गया। देश में उपजी हिंसा के बाद शेख हसीना को भारत भागने पर मजबूर होना पड़ा, तबसे वो निर्वासन में हैं। उनकी बेदखली के तीन दिन बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार का कार्यभार संभाला और सुधारों का वादा किया।

शेख हसीना के खिलाफ मुकदमे में 17 नवंबर को आएगा फैसला

हिंसा का डर; हाई अलर्ट पर बांग्लादेश

शेख हसीना के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराध के मामले में 17 नवंबर को फैसला सुनाया जाएगा। अभियोजन पक्ष ने शेख हसीना के लिए मौत की सजा की मांग की है। शेख हसीना के साथ ही इस मामले में पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान और पूर्व पुलिस प्रमुख अब्दुल्ला अल मनुन भी आरोपी हैं।

ढाका। बांग्लादेश की विशेष अदालत 'अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण' पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ 17 नवंबर को फैसला सुनाएगी। फैसले को देखते हुए बांग्लादेश में तनाव का माहौल है। गुरुवार को शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने बंद का एलान किया है। अवामी लीग के बंद के चलते राजधानी ढाका में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी है और लॉकडाउन जैसे हालात हैं। बांग्लादेश हाई अलर्ट पर है। अभियोजक टीम के एक सदस्य ने बताया कि अपराध न्याधिकरण तय शेड्यूल के मुताबिक ही अपना फैसला सुनाएगा।

ढाका में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी, सेना सड़कों पर उतरी

अवामी लीग के बंद और शेख हसीना के खिलाफ फैसले को देखते हुए सरकार ने ढाका में सेना, बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश और दंगा रोधी पुलिस के जवानों की तैनाती की है। ढाका की सड़कें खाली दिखाई दे रही हैं, बसों की आवाजाही भी सीमित है। कई निजी संस्थानों और विश्वविद्यालयों ने अपनी कक्षाएं ऑनलाइन चलाने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ढाका, मुंशीगंज, सेंट्रल तंगैल और दक्षिण पश्चिमी गोपालगंज इलाके में अज्ञात लोगों ने पांच खाली बसों को आग लगा दी।

अभियोजन पक्ष ने शेख हसीना के लिए मौत की सजा की मांग की

शेख हसीना के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराध के मामले में 17 नवंबर को फैसला सुनाया जाएगा। अभियोजन पक्ष ने शेख हसीना के लिए मौत की सजा की मांग की है। शेख हसीना के साथ ही इस मामले में पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान और पूर्व पुलिस प्रमुख अब्दुल्ला अल मनुन भी आरोपी हैं। इन पर आरोप है कि इन लोगों ने बीते साल छात्र आंदोलन को कुचलने की कोशिश की। इसी छात्र आंदोलन के चलते शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था और बांग्लादेश छोड़कर भारत आना पड़ा था।

शेख हसीना ने अपने ऊपर लगे आरोपों को मनगढ़ंत बताया और कहा कि उनके खिलाफ यह पूरा केस राजनीतिक साजिश है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके मामले पर सुनवाई कर रहा ट्रिब्यूनल निष्पक्ष नहीं है।

एच-1बी वीजा के लिए ट्रंप प्रशासन की नई रणनीति

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन अब एच-1बी वीजा नीति में बड़ा बदलाव लाने की तैयारी कर रहा है। नई नीति के तहत विदेशी कुशल कामगारों को अमेरिका में अस्थायी रूप से बुलाया जाएगा, ताकि वे अमेरिकी कामगारों को उच्च तकनीकी कामों की ट्रेनिंग दे सकें, और उसके बाद वापस अपने देश लौट जाएं। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने बताया कि यह नीति ट्रंप के उस बड़े अभियान का हिस्सा है, जिसके जरिए वे महत्वपूर्ण उद्योगों को दोबारा अमेरिका में लाना और आयात पर निर्भरता घटाना चाहते हैं।

अमेरिका का 'ज्ञान हस्तांतरण' का मॉडल: स्कॉट बेसेंट ने एक समाचार चैनल से बातचीत में कहा, 'राष्ट्रपति की सोच यह है कि विदेशी विशेषज्ञों को तीन, पांच या सात साल के लिए अमेरिका लाया जाए ताकि वे यहां के कामगारों को प्रशिक्षित करें।

फिलीपींस में बाढ़ से तबाही: 86 निर्माण कंपनियों पर भ्रष्टाचार का आरोप

देश भर में घटिया, दोषपूर्ण या गैर-मौजूद बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं में भ्रष्टाचार के लिए दोषी ठहराया गया है। फिलीपींस जैसे देश में यह खास तौर पर एक संवेदनशील मुद्दा है।

मनीला। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनांड मार्कोस जूनियर ने गुरुवार (13 नवंबर, 2025) को कहा कि देश के कई ताकतवर नेता और अमीर लोग क्रिसमस तक जेल पहुंच जाएंगे। फर्डिनांड मार्कोस जूनियर ने कहा कि बाढ़ नियंत्रण से जुड़ी परियोजनाओं में घोटाले के चलते कम से कम 37 ताकतवर सांसद, कांग्रेस के सदस्य और अमीर बिजनेस मैन को क्रिसमस तक जेल में डाल दिया जाएगा। उन्होंने जनता के गुस्से और सड़कों पर हो रहे प्रदर्शनों को रोकने की कोशिश में ये बयान दिया।

मार्कोस जूनियर ने कहा कि उनकी ओर से बनाए गए एक स्वतंत्र आयोग ने 37 संदिग्धों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज कर लिए हैं। ये मामले रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार और लूटपाट जैसे गैर-जमानती अपराधों के लिए दर्ज किए गए हैं। उन्होंने ये भी कहा कि 86 निर्माण कंपनी के अधिकारियों और नौ सरकारी अधिकारियों के खिलाफ भी आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। इन पर टैक्स चोरी कर करीब 152 मिलियन अमेरिकी डॉलर गबन करने का आरोप है।

फिलीपींस के राष्ट्रपति ने कहा, "मुझे मालूम है कि क्रिसमस से पहले जिनके नाम पर भी मामले चल रहे हैं, वो खत्म हो जाएंगे और जेल पहुंच जाएंगे। हम दिखावे के लिए मुकदमा नहीं दर्ज करते हैं। हम लोगों को जेल में डालने के लिए मुकदमे दर्ज करते हैं।" उन्होंने कहा कि ये मुकदमे मजबूत थे और इनका मकसद चोरी किए गए पैसों को वापस पाना था।

उन्होंने कहा सरकार की एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग काउंसिल ने भ्रष्टाचार के आरोपियों के 1671 बैंक खातों, 144 संपत्तियों, 244 वाहनों और 107 मिलियन अमेरिकी डॉलर की अन्य संपत्तियों को जब्त करने के लिए 7 आदेश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि जांच से कोई भी नहीं बच पाएगा और किसी को भी छूट नहीं मिलेगी।

देश भर में घटिया, दोषपूर्ण या गैर-मौजूद बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं में भ्रष्टाचार के लिए दोषी ठहराया गया है। फिलीपींस जैसे देश में यह खास तौर पर एक संवेदनशील मुद्दा है, क्योंकि यहां घातक तूफान, बाढ़ और भीषण मौसम से प्रभावित एशिया के देशों में शामिल है।

बीते हफ्ते आए तूफान कालमेगी की वजह से फिलीपींस में कम से कम 232 लोगों की मौत हो गई, जिनमें से ज्यादातक अचानक आई बाढ़ का शिकार बने। देश के मध्य भाग में 125 लोग अभी भी लापता हैं। इसके कुछ ही दिनों बाद फिलीपींस के उत्तरी हिस्से में भीषण तूफान फंग-वोंग ने कहर बरपाया, जिसमें 27 लोगों की मौत हो गई। तूफान फंग-वोंग की वजह से आई बाढ़ और भूस्खलन के चलते लाखों लोगों पर असर पड़ा और दो लोग लापता हो गए।

'20 हजार उड़ानें रद्द हुईं, दस लाख लोगों को नहीं मिला वेतन'

शटडाउन से बहुत हुआ नुकसान : ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका में 43 दिनों तक चले शटडाउन का आखिरकार अंत हो गया है। स्थानीय समय के अनुसार, बुधवार शाम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शटडाउन खत्म करने के लिए अमेरिकी कांग्रेस से पारित विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए। हस्ताक्षर करने से पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने डेमोक्रेटिक पार्टी पर इस शटडाउन का ठीकरा फोड़ा और बताया कि इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को कितना नुकसान हुआ।

ट्रंप ने कहा कि 'डेमोक्रेट्स द्वारा लगाए गए शटडाउन ने भारी नुकसान पहुंचाया है। इसके चलते 20 हजार फ्लाइट्स या तो रद्द हुईं या फिर उनमें देरी हुई। 10 लाख से ज्यादा सरकारी कर्मचारियों को वेतन नहीं मिल पाया और लाखों जरूरतमंद लोग सरकार द्वारा बांटे जाने वाले खाने से वंचित रहे। शटडाउन के चलते हजारों संघीय ठेकेदार और छोटे व्यापारियों को पैसे नहीं मिल पाए।' जब शटडाउन से हुए नुकसान के बारे में ट्रंप से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि शटडाउन से हुए नुकसान की गणना करने में अभी हफ्तों का समय लगेगा और महीने भी लग सकते हैं। शटडाउन खत्म करने के लिए ट्रंप ने विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए हैं, लेकिन अभी भी सरकार को पूरी तरह से चालू होने में हफ्ते भर का समय लग सकता है।

गाजियाबाद नगर निगम
Ghaziabad Nagar Nigam
(ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर भाजपा ने मनाया जनजातीय गौरव दिवस

बिरसा मुंडा को याद करना एक एक प्रेरणादायक सोच है: बृजेश पाठक

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक सहित मंत्रीगण, सांसद-विधायक एवं समाज प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति

गाजियाबाद, करंट क्राइम : भारतीय जनता पार्टी महानगर गाजियाबाद द्वारा गुरुवार को जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन हिंदी भवन, लोहिया नगर में किया गया। यह कार्यक्रम भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह का शुभारंभ वंदे मातरम और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके बाद उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, मंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप, महापौर सुनीता दयाल, विधायक अजीतपाल त्यागी, संजीव शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किए।

प्रदर्शनी का भी किया अवलोकन

करंट क्राइम : कार्यक्रम के आरंभ में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने जनजातीय संस्कृति, परंपरा और भगवान बिरसा मुंडा के जीवन-संघर्ष पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को अपनी जड़ों से जोड़ते हैं और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देते हैं। उन्होंने जनजातीय समाज की ऐतिहासिक भूमिका और सरकार की योजनाओं की जानकारी देने वाली प्रदर्श सामग्री की सराहना की।

महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल का मैनेजमेंट और कार्यक्रम रहा टॉप

करंट क्राइम : बिरसा मुंडा की 150वी जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व मे मयंक गोयल ने ना सिर्फ इसे बेहतर ढंग से किया बल्कि अपनी मैनेजमेंट और संगठन की ताकत को भी दशार्ने का कार्य किया। वहीं उनकी टीम उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर नजर आई और कार्यक्रम में खचाखच हाल और भीड़ इस बात की गवाही दे रहा था कि कार्यक्रम को लेकर उनके द्वारा प्रयास और मेहनत की गई है। वही महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल स्वतंत्रता सेनानी नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और आत्मसम्मान के प्रतीक थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित जनजातीय गौरव दिवस आदिवासी समाज के योगदान को सम्मान देने का ऐतिहासिक निर्णय है।

आदिवासी समाज भारतीय संस्कृति का आधार स्तंभ : बृजेश पाठक

करंट क्राइम : मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा— भगवान बिरसा मुंडा ने अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध जीवनभर संघर्ष किया। उन्होंने समाज को संगठन, स्वाभिमान और संघर्ष का संदेश दिया। प्रदेश सरकार उनके आदर्शों पर चलते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और न्याय पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। आदिवासी समाज भारतीय संस्कृति का आधार स्तंभ है।

कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री सांसद-विधायक रहे मौजूद

करंट क्राइम : कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि भारत का स्वतंत्रता संग्राम भगवान बिरसा मुंडा के बिना अधूरा है। भाजपा संगठन सदैव जनजातीय समाज के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित है। वहीं स्वतंत्र प्रभार मंत्री नरेंद्र कश्यप ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकारें आदिवासी समाज के विकास के लिए ऐतिहासिक योजनाओं पर कार्य कर रही हैं। सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि धरती आबा के संदेश आज भी समाज में एकता, जागरूकता और आत्मनिर्भरता का भाव जगाते हैं। घुमंतु समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंद्रपाल सिंह ने कहा कि बिरसा मुंडा के आदर्श आज भी न्याय और समानता की प्रेरणा देते हैं। मंच पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, मंत्री नरेंद्र कश्यप, महापौर सुनीता दयाल, विधायक अजीत पाल त्यागी, विधायक संजीव शर्मा, पूर्व महापौर आशु वर्मा, पूर्व महापौर आशा शर्मा, पूर्व सांसद अनिल अग्रवाल, पूर्व एमएलसी सुरेश कश्यप एवं पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

हर समाज की रही सक्रिय सहभागिता

करंट क्राइम : इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता और समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे जिनमें अनिल कुमार सांवरिया, राजू पांचाल, अशोक मोंगा, अजय शर्मा, सरदार एसपी. सिंह, अमर दत्त शर्मा, महेश अग्रवाल, अशोक गोयल, राजेश त्यागी, सुशील गौतम, गोपाल अग्रवाल, योगेंद्र शर्मा, राजेंद्र यादव, गुंजन शर्मा, प्रदीप चौहान, अमित त्यागी, राजीव शर्मा, योगेश त्रिपाठी, देवेंद्र यादव, पुष्पेंद्र गुप्ता, अजय चौधरी प्रमुख रूप से शामिल थे। तो कार्यक्रम के सफल संचालन में रनिता सिंह, वेद प्रकाश जाटव , सतीश मिश्रा , पार्षद कुलदीप त्यागी, प्रदीप चौधरी , गौरव चोपड़ा, पंकज भारद्वाज, विनोद कसाना, राम त्यागी आदि का उल्लेखनीय योगदान रहा।

जीडीए और नगर निगम मिलकर करेंगे शहर हित में कार्य – अधिकारियों ने बनाई संयुक्त कार्ययोजना

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु 8000 वर्गमीटर भूमि एक सप्ताह में निगम को सौंपेगा जीडीए

- चार प्रमुख क्षेत्र के हैंडोवर हेतु जीडीएवीसी तथा नगर आयुक्त के बीच हुई चर्चा
- आरडीसी में जाम की समस्या को मिलेगा समाधान : नगर आयुक्त

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय पर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण और गाजियाबाद नगर निगम अधिकारियों के बीच शहर हित के कार्यों को लेकर बैठक हुई। जीडीएवीसी नंदकिशोर कलाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की अध्यक्षता में जीडीए तथा निगम अधिकारियों के बीच महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई। जिसमें विशेष रूप से चार प्रमुख योजनाओं करपुरीपुरम, गोविंदपुरम, स्वर्णजयंतीपुरम गोविंदपुरम, भवराव देवरस योजना, राज नगर एक्सटेंशन मैन रोड, प्रमुख सेंट्रल वर्ज को हैंडोवर लेने के लिए भी चर्चा हुई। वर्तमान में स्थिति जानने के लिए गाजियाबाद नगर निगम और गाजियाबाद विकास प्राधिकरण अधिकारी संयुक्त रूप से निरीक्षण करेंगे।

बैठक में गाजियाबाद नगर निगम के अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज, महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश, तथा मुख्य कर निर्धारण अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा गाजियाबाद विकास प्राधिकरण से मुख्य अभियंता आलोक रंजन, अधिशासी अभियंता योगेश कुमार व अधिशासी अभियंता राजीव सिंह, सहायक अभियंता सुधीर कुमार पांडे, ट्रांस हिंडन के सहायक अभियंता अवतार रॉयल उपस्थित रहे।

इंदिरापुरम की सीवर समस्या के समाधान के लिए गाजियाबाद नगर निगम ने गाजियाबाद विकास प्राधिकरण से नेटवर्क मॉडल की मांग की। जिस पर तत्काल जीडीएवीसी ने अधिकारियों को सीवर लाइन प्लान साझा करने की निर्देश दिए गए। इस बैठक में इंदिरापुरम ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 8000 स्क्वायर मीटर भूमि एक सप्ताह में नगर निगम को सौंपने के लिए भी निर्देश दिए गए है। नगर आयुक्त ने इंदिरापुरम के ड्रोन सर्वे, टैक्स संबंधित डाटा उपलब्ध कराने के लिए भी अपना विषय रखा। नगर आयुक्त और जीडीए वीसी के मध्य अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी चर्चा हुई जिसमें सकारात्मक रूप से जनहित के लिए तेजी से निर्णय लिए जाएंगे चर्चा हुई। इनमें आरडीसी में जाम की समस्या को समाप्त करने के लिए योजना बनाई गई। शहर की प्रमुख चार योजनाओं के हैंडोवर के लिए भी चर्चा हुई।

गाजियाबाद नगर निगम और गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा कुशल नेतृत्व में जनहित के लिए बेहतर योजना बनाई जा रही है जिसके क्रम में आपसी समन्वय स्थापित करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक तथा गाजियाबाद विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल के द्वारा शहर में तीव्रता से बेहतर कार्य किए जाएंगे जिस शहर वासियों को लाभ मिलेगा।

दूधेश्वरनाथ मंदिर में विधायक और डीएम की विशेष पूजा-अर्चना

गेट, हॉल और भावी विकास कार्यों का संयुक्त निरीक्षण, कॉरिडोर निर्माण पर तेज हुई चर्चा

गाज़ियाबाद करंट क्राइम। सिद्धपीठ श्रीदूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर में प्रस्तावित कॉरिडोर निर्माण को लेकर गुरुवार को शहर विधायक संजीव शर्मा और जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने संयुक्त रूप से मंदिर परिसर का निरीक्षण किया। इससे पहले दोनों ने मंदिर में भगवान दूधेश्वर की पूजा-अर्चना की और पीठाधीश्वर श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया।

निरीक्षण के दौरान विधायक और डीएम ने मंदिर में बन चुके नए गेट, हॉल तथा अन्य निमार्णों की स्थिति देखी। साथ ही कॉरिडोर परियोजना को लेकर श्रीमहंत से सुझाव भी लिए। मंदिर के बाहर मुख्य मार्ग के चौड़ीकरण पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में शहर विधायक संजीव शर्मा के मीडिया सलाहकार पवन, श्री दूधेश्वर श्रृंगार सेवा समिति के अध्यक्ष विजय मित्तल, अजय चोपड़ा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

वायु गुणवत्ता सुधार हेतु नगर निगम का महा अभियान

पहले सफाई, फिर धुलाई से सड़कों को किया गया धूलमुक्त

मोहन नगर और सिटी जोन में अधिकारियों की मौजूदगी में चला विशेष स्वच्छता एवं छिड़काव अभियान

गाजियाबाद करंट क्राइम। वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से गाजियाबाद नगर निगम ने गुरुवार सुबह मोहन नगर और सिटी जोन में विशेष सफाई अभियान चलाया। अभियान के तहत पहले सड़कों की सफाई और फिर पानी से धुलाई कर उन्हें धूलमुक्त किया गया।

अभियान में अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, मुख्य अभियंता (निर्माण) नरेंद्र कुमार चौधरी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश, महाप्रबंधक (जल) कामाख्या प्रसाद आनंद, प्रभारी उद्यान डॉ. अनुज, तथा जलकल विभाग के आश कुमार उपस्थित रहे। अधिकारियों ने अपनी-अपनी टीमों के साथ क्षेत्र का निरीक्षण किया और कार्यों की स्वयं निगरानी की।

कार्यवाही के दौरान रोटरी गोल चक्कर, नागद्वार, एलिवेटेड रोड, मेरठ रोड, हापुड़ चुंगी से राजनगर एक्सटेंशन रेड लाइट और दुहाई तक नगर निगम की टीमों ने सफाई एवं जल छिड़काव का बृहद अभियान चलाया।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देशानुसार नगर निगम ने प्रातः और रात्रि दोनों समय सड़कों पर पानी का छिड़काव और सफाई जारी रखी है। अधिकारियों ने मौके पर उपस्थित रहकर न केवल मॉनिटरिंग की, बल्कि खुद भी सड़कों की साइड पटरियों को धूलमुक्त कराने में सहयोग किया। रोटरी गोल चक्कर के चारों ओर धूल हटाकर जल छिड़काव, पेड़ों की सफाई एवं आवश्यक कटिंग का भी कार्य किया गया।

निर्माण विभाग की टीम ने अभियान के दौरान सी एंड डी वेस्ट (निर्माण एवं ध्वस्तीकरण कचरा) को हटाया और अवैध रूप से सड़क किनारे निर्माण सामग्री रखने या बेचने वालों पर चालान की कार्रवाई भी की।

अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार ने बताया कि यह महा अभियान अब शहर के सभी पांच जोनों में इसी क्रम में चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम उपकरणों और सफाई मित्रों के सहयोग से शहर की वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए सतत प्रयासरत है, जिसकी क्षेत्रवासियों द्वारा सराहना की जा रही है।

क्यों कहा कहने वाले ने कि हम खड़े थे विधायक जी के पास? स्वीट से मैम्बर त्यागी की ओर देखकर हमने कहा आपने क्यों नहीं रखी उपाध्यक्ष वाले मामले में इनकी बात? विधायक जी मुस्कुराये और बोले कि ये खुद जानते हैं कि किसने किया है इनका खेल खराब? ये शब्द सुनकर हमें याद आ गया तिकड़ी का पुराना इतिहास? जिन्होंने बिगाड़ा है इनका खेल उन्होंने कभी तिकड़ी के पूरे नहीं होने दिये ख्वाब?

क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा योद्धा देते हैं अक्सर मजबूत कार्यक्रमों के पैगाम ? मगर हमने देखा जब उन्होंने छोड़ा था एक प्रोग्राम दो चेहरों के नाम? तब उस प्रोग्राम का गया था बहुत ही कमजोर पैगाम? मगर इस बार हिन्दी भवन वाले कार्यक्रम में उन्होंने नहीं की कोई भी चूक? निशाना साधा बिल्कुल अचूक? उनके निर्देशन में कार्यक्रम हो गया सुपरहिट? इसलिए कहने वाले कहते हैं मिर्ची लग जाती है उन चेहरों को जब योद्धा उनको रखते हैं फिट?

क्यों कहा कहने वाले ने कि मुराद पूरी करने वाले विधायक से भगवा गोयल ने कह दी बड़ी बात? कहा आपकी विधानसभा में इस बार और मजबूती से पूरी होगी आपकी मुराद? अपने समाज के चेहरों को साथ लेकर सिक्कों से तोलने का रखूंगा आपका प्रोग्राम? दूंगा आपके समर्थन में मजबूत वाला पैगाम? कहने वाले ने कहा कि देखते ही बन रहा था विधायक जी की आंखों में गोयल साहब की उमड़ी हुई मोहब्बत का तूफान?

क्यों कहा कहने वाले ने कि इन दिनों शहर सीट पर एक वैश्य चेहरे कर रहे हैं खामोशी से अपनी दावेदारी? मगर समस्या ये है कि वो बिरादरी वाले ब्रदर्स के बीच में ही शब्द कर रहे हैं भारी भारी? कह रहे हैं इसबार संवरेगा हमारा भविष्य? हम ही लेकर आयेंगे टिकट? सच बतायें हम पहुंच गये हैं इस गेम में काफी निकट? बिरादरी के ब्रदर ने कहा अगर वो इतना खुलकर देते रहे पैगाम? कोई खामोशी से उखाड़ आयेगा उनका विकट?

क्यों कहा कहने वाले ने कि इस बार मुराद पूरी करने वाले विधायक जी के सामने बिरादरी की दावेदारी का दिखाई देने वाला है जबरदस्त शोर? कहने वालेने कहा एक दो या चार नहीं? यहां से 25 से 30 दावेदारियां होंगी घनघोर? कहने वाले ने कहा इस बात का हो गया है विधायक जी को भी अहसास? जब भी इन दावेदारियों की उनसे होती है बात तो आ जाती है उनके चेहरे पर एक अजीब सी मुस्कुराहट?

क्यों कहा कहने वाले ने कि जिस वक्त चल रहा था बेसमेंट में नगर निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष वाला प्रोग्राम? तब बाहर खड़े होकर भगवा सोलंकी, नीरज गोयल, राजीव शर्मा बना रहे थे अपने अपने साथी को समर्थन देने का प्लान? तीनों को देखकर लग रहा था जैसे उनके बिना नहीं निकलेगा समस्या का समाधान? फिर अचानक नीचे से आया एक पैगाम? ले लिया विनील दत्त ने नाम वापस? जिसका नहीं था ऊपर भूमिका बना रहे चेहरों को ज्ञान? तीनों को देखकर ऐसा लग रहा था जैसे कार्यकारिणी के अंगने में उनका क्या रहा काम?

क्यों कहा कहने वाले ने कि मैंने देखी कोर्ट में कांग्रेस नेता को तलब करने वाली विज्ञप्ति? फिर उस पर मैंने दिमाग लगाया थोड़ा? फिर मैंने विज्ञप्ति के शब्दों को पूरा दिमाग में जोड़ा? फिर मुझे हुआ इस बात का अहसास? जिस जगह से ये विज्ञप्ति भेजी गयी थी? उन्होंने किसी को क्लीन चिट दे दी थी साहब? अब वो नहीं बना पायेंगे उस चेहरे के खिलाफ नेगेटिव माहौल? जब होगी कोई ऐसी बात तब ये विज्ञप्ति निभायेगी बड़ा वाला रोल?

क्यों कहा कहने वाले ने कि जब हुई विनील भईया की नाम वापसी? हम सुन रहे थे उनके प्रस्तावक गोयल साहब के शब्द? वो कह रहे थे कि मिस्टर दत्त को लेना चाहिए था थोड़ा बहुत तो वक्त? देनी चाहिए थी हमको भी नाम वापसी की जानकारी? आखिर हम ही तो खिलवा रहे थे वो प्रस्तावक वाली पारी? कहने वाले ने कहा दिन ही कुछ ऐसा था कि ताकतवर लेडी हों या अधिकारी सभी पड़ रह थे उस दिन गोयल साहब पर भारी?

क्यों कहा कहने वाले ने कि लोनी में जबसे छेड़ी है डॉक्टर परमिन्दर ने क्रांतिकारी वाली लड़ाई? तब से वो कई दिलों में अपनी जगह बना चुके हैं भाई? हमने देखा बर्थडे वाले दिन ईश्वर मावी ने उनका मजबूती से हाथ पकड़े हुए फोटो थी फेसबुक पर लगाई? इस फोटो से वो दे रहे थे पूरी शिद्दत से डॉक्टर को बधाई? मजबूती से हाथ पकड़ने का अंदाज बता रहा था जैसे वो दे रहे हों संदेश कि इस लड़ाई में हम तुम्हारे साथ हैं भाई?

क्यों कहा कहने वाले ने कि जबसे भगवा टॉमक्रूज को मिली है कार्यकारिणी उपाध्यक्ष वाली जीत? तब से वाटर मैन मिस्टर सारस्वत का भी दिख रहा है गजब का अंदाज? जब से सुनी है उन्होंने जीत वाली घोषणा तब से नहीं जा रही उनके चेहरे से मुस्कुराहट? ऐसा लग रहा है कि जैसे उपाध्यक्ष बनने से बढ़ गयी हो सारस्वत जी की भी पावर? जब भी देखो तब निकलते दिखते हैं उनके चेहरे से खुशियों के शावर?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।